दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 126 | ग्वालियर गुरुवार, 23 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

बच्चों के दाखिले की उम्र बदली

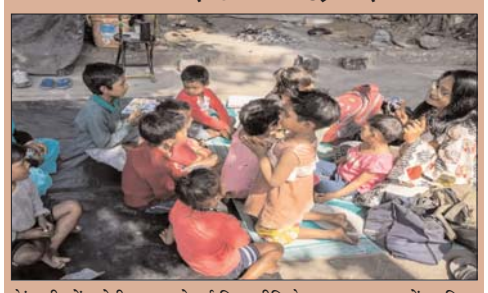

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा एक में एडमिशन लेने के लिए सभी बच्चों की न्यूनतम उम्र 6 साल कर दी है. इसको लेकर शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश भी जारी कर दिए हैं. मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि कक्षा एक में प्रवेश की उम्र 6 साल तय की जाए. बुधवार (22 फरवरी) को ये जानकारी अधिकारियों ने दी है.शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जो आदेश जारी हुआ है, उसमें कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रथम चरण में बच्चों की शिक्षा को मजबूत करने के लिए उनकी आयु सीमा बढ़ानी जरूरी है. केंद्र ने राज्यों से पूर्व-स्कूली शिक्षा (छ्क्क्स्श्व) पाठ्यक्रम में दो साल का डिप्लोमा डिजाइन करने और चलाने की प्रक्रिया शुरू करने का भी अनुरोध किया है.राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में बुनियादी स्तर पर बच्चों के सीखने की शक्ति और समझ विकसित करने की सिफारिश करती है. पहले यानि मूलभूत चरण में सभी बच्चों (3 से 8 वर्ष के बीच) के लिए पांच साल सीखने के अवसर होते हैं, जिसमें तीन साल की प्री-स्कूल शिक्षा और दो साल की प्रारंभिक प्राथमिक ग्रेड-ढ्ढ और ग्रेड- शामिल हैं.मंत्रालय का कहना है कि यह केवल आंगनवाड़ियों या सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और गैर-सरकारी संगठन द्वारा संचालित स्कूल पूर्व (प्री-स्कूल) केंद्रों में पढ़ने वाले सभी बच्चों के लिए तीन साल की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करके ही किया जा सकता है.बता दें कि केंद्रीय स्कूलों के अलावा कई राज्यों में पहली कक्षा में दाखिले की न्यूनतम उम्र पहले से ही 6 साल रखी गई है. वहीं कई राज्यों में ये पांच या साढ़े पांच साल रखा गया है. अब इस नए बदलाव को राज्य स्तर पर सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा रहा ह

.त्रिपुरा में दोपहर 3 बजे तक 69.96 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। त्रिपुरा में दोपहर 3 बजे तक 69.96 प्रतिशत मतदान, चुनाव आयोग ने कांग्रेस-बीजेपी को भेजा नोटिस त्रिपुरा के एडीएम और कलेक्टर सुमित लोध ने कहा कि काकराबान विधानसभा क्षेत्र में एक मतदान केंद्र पर हाथापाई की सूचना मिली. सेक्टर मजिस्ट्रेट ने मामले की जांच की. मामला दर्ज, स्थिति नियंत्रण में है. पूर्व सीएम बिप्लब देब ने गोमती में वोट डाला है. उन्होंने कहा कि त्रिपुरा लंबे समय से अंधेरे में था. आज युवा आशान्वित है, महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान है और बुजुर्गों ने भरोसा दिखाया है. पहले यह गायब था. लोग आज अपने भविष्य के लिए निर्णय ले रहे हैं. पीएम मोदी के नेतृत्व में, यहां एक बार फिर बीजेपी बहुमत से सरकार बनाएगी. मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने त्रिपुरा कांग्रेस और बीजेपी को नोटिस भेजा है. दोनों दलों ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद अपने आधिकारिक हैंडल से अपने पक्ष में वोट की अपील की है.

मुनाफावसूली के चलते ऊपरी

लेवल से गिरा शेयर बाजार

नई दिल्ली। ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के शानदार तेजी के साथ खुला था. पूरे दिन बाजार में तेजी बनी रही. लेकिन बाजार बंद होने से पहले निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते बाजार ने अपनी बढ़त गवां दी जिसके चलते बाजार लाल निशान में भी आ गया. सेंसेक्स अपने हाई से 360 अंक नीचे आ गया तो निफ्टी हाई से 100 प्लाइँट नीचे आ गया. आज का कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 44 अंकों की मामूली तेजी के साथ 61,319 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 20 अंकों की तेजी के साथ 18,035 पर बंद हुआ है. आज के ट्रेडिंग सेशन में बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में जहां गिरावट रही वहीं आईटी, ऑयल एँड गैस, हेल्थकेयर, इंफ्रा, एनर्जी, मेटल्स सेक्टर में तेजी रही. निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.62 फीसदी या 500 अंकों की तेजी के साथ 31,434 अंकों पर बंद हुआ है. मिडकैप और स्मालकैप शेयरों में भी तेजी देखने को मिली. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ तो 16 गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 27 तेजी के साथ तो 23 गिरकर बंद हुए. आज के कारोबार में ओएनजीसी 5.69 फीसदी, टेक महिंद्रा 5.49 फीसदी, ओपोलो हॉस्पिटल 3.46 फीसदी, डिविज लैब 1.91 फीसदी, नेस्ले 1.91 फीसदी, टाटा स्टील 1.54 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.43 फीसदी, कोल इंडिया 1.20 फीसदी, टीसीएस 1.06 फीसदी, अडानी इंटरप्राइजेज 0.98 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में बीपीसीएल 1.65 फीसदी, एचडीएफसी

एकनाथ शिंदे को शिवसेना सौंपने के ईसी के फैसले पर रोक से एससी का इनकार, लेकिन उद्धव ठाकरे को भी दी हल्की राहत

शिवसेना पार्टी और उसके चुनाव चिन्ह %तीर-धनुष% को लेकर आए चुनाव आयोग के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगाने से मना कर दिया है. 17 फरवरी को चुनाव आयोग ने शिवसेना पर एकनाथ शिंदे के दावे को सही पाया था. इस फैसले पर रोक की मांग कर रहे उद्धव ठाकरे को फिलहाल राहत नहीं मिली. हालांकि, कोर्ट ने यह जरूर कहा कि फिलहाल एकनाथ शिंदे पक्ष ऐसा कोई कदम न उठाए, जिसके चलते उद्धव समर्थन सांसद और विधायक अयोग्य करार दे दिए जाएं.कोर्ट ने यह भी कहा है कि उद्धव ठाकरे फिलहाल उन्हें मिले अस्थायी नाम %शिवसेना उद्धव बालासाहेब% का इस्तेमाल जारी रख सकते हैं. साथ ही अस्थायी चुनाव चिह्न %मशाल% का भी इस्तेमाल जारी रख रख सकते हैं. उद्धव कैंप के वकीलों ने कहा कि एकनाथ शिंदे पक्ष पार्टी के दफ्तरों पर कब्?ा लेता जा रहा

है. वह बैंक अकाउंट पर भी नियंत्रण ले लेगा. इससे उसे रोका जाए. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह का आदेश जारी करने से मना कर दिया.उद्धव ठाकरे के लिए सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकीलों कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और देवदत्त कामत ने दलील दी कि चुनाव आयोग ने विधायक दल में हुई टूट को शिवसेना पार्टी में हुई टूट मान लिया. यह गलत है. पार्टी का 2018 का संविधान अध्यक्ष को काफी शक्तियां देता है. लेकिन चुनाव आयोग ने उसे भी मानने से मना कर दिया.इसका जवाब देते हुए शिंदे के लिए पेश वरिष्ठ वकीलों नीरज किशन कौल और मनिंदर सिंह ने कहा कि किसी पार्टी का लोकतांत्रिक तरीके से चलना जरूरी है. 2018 का संविधान इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता था. इसलिए चुनाव आयोग ने उसे नहीं माना. संगठन के सदस्यों की संख्या को लेकर दोनों पक्षों का दावा स्पष्ट नहीं था. ऐसे में विधायक दल में बहुमत को आयोग ने आधार की तरह की देखा.एकनाथ शिंदे की तरफ से यह भी कहा गया सुप्रीम कोर्ट को यह मामला सुनना ही नहीं चाहिए. कानूनन चुनाव आयोग के इस तरह के फैसलों के खिलाफ याचिका हाई कोर्ट में दाखिल होती है. इसलिए उद्धव ठाकरे से भी यह कहा जाए कि वह पहले हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करें. लेकिन चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जे पी पारडीवाला की बेंच ने कहा कि वह मामले पर नोटिस जारी कर रहे हैं. एकनाथ शिंदे और चुनाव आयोग उस पर 2 हफ्ते में जवाब दें. इसके अगले एक हफ्ते में उद्धव ठाकरे उनके जवाब पर अपना लिखित पक्ष रखें.

क्या मोदी को मिल रहा पसमांदा मुसलमानों का साथ

नई दिल्ली। देश में एक करीब एक साल बाद लोकसभा के चुनाव होने है. पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए सभी वर्गों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. इसी के तहत जनवरी 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से पसमांदा मुसलमानों के पास पहुंचने का मंत्र दिया था. पीएम मोदी ने कहा था कि हमें पसमांदा समाज तक पहुंचना चाहिए. पीएम की इस अपील के बाद बीजेपी नेता मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दाउदी बोहरा समुदाय के एक कार्यक्रम में शामिल होने मुंबई पहुंचे थे. इस कोशिश पर मुसलमानों का कितना समर्थन हासिल हो रहा है, आइए देखते हैं. इंडिया टीवी और मैट्रिज ने एक सर्वे किया था जिसके नतीजे बीते साल के दिसम्बर में जारी किए गए थे. इस सर्वे के मुताबिक बीजेपी को 22 प्रतिशत पसमांदा मुसलमानों का साथ मिल रहा है. 64 प्रतिशत मुसलमान अभी भी बीजेपी के साथ

खुद को जोड़ने से इनकार कर रहे हैं. वहीं, 14 प्रतिशत अभी तक इस बारे में साफ नहीं हैं. राम मंदिर को लेकर बीजेपी के लिए अच्छी खबर है. 48 प्रतिशत हिंदू मानते हैं कि राम मंदिर बनने से बीजेपी को वोट मिलेंगे. वहीं 38 फीसदी हिंदू इससे इंकार करते हैं. 72 प्रतिशत मुस्लिम मानते हैं कि राम मंदिर बनने से बीजेपी को फायदा होगा, जबकि 12 प्रतिशत इसकी संभावना नहीं देखते. इस सर्वे में देश की राजनीति और चुनाव को लेकर सवाल पूछे गए. मुसलमान किस दल पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं, इसके जवाब में केवल 9 प्रतिशत मुस्लिमों ने बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए पर विश्वास जताया. मुसलमानों का सबसे ज्यादा भरोसा कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए (38 प्रतिशत) पर है. दूसरे नंबर पर क्षेत्रीय पार्टियां हैं. सर्वे में शामिल 31 प्रतिशत मुसलमानों ने क्षेत्रीय दलों पर भरोसा जाहिर किया है. हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के ऊपर 16 प्रतिशत मतदाता भरोसा करते हैं.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर को गुरुवार (16 फरवरी) को ईडी (ईडी) ने एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया है. जालसाज सुकेश को ईडी ने गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया. पटियाला हाउस कोर्ट ने सुकेश चंद्रशेखर को 9 दिन के लिए ईडी की रिमांड में भेज दिया. ईडी ने एक नए मामले में सुकेश चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया है. ये मामला रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पूर्व प्रमोटर मलविंदर सिंह की पत्नी से 3.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है. दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुकेश को नौ दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने सुकेश को हर दिन 15 मिनट की अवधि के लिए अपने वकील से मिलने की अनुमति भी दी. ईडी ने अपराध में शामिल व्यक्तियों के बारे में पता लगाने

के लिए सुकेश की 14 दिनों की रिमांड मांगी थी. ईडी ने आरोप लगाया था कि सुकेश ने तिहाड़ जेल में बंद मालविंदर सिंह की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बदले में धन उगाही करने के लिए कानून सचिव बनकर मालविंदर सिंह की पत्नी से संपर्क किया था. एजेंसी ने कहा कि सुकेश झूठे बयान दे रहा है और जांच में सहयोग नहीं कर रहा है. सुकेश पहले से ही 200 करोड़ के घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत में है. उसने कथित तौर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह के साथ धोखाधड़ी की थी. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2021 के इस मामले में जैकलीन फर्नांडीज और नोरा फतेही सहित बॉलीवुड की कई एक्ट्रेस और मॉडलों से चंद्रशेखर के साथ उनके कथित संबंधों को लेकर पूछताछ की है.

अंतिम सांस तक को सत्ता में लाने का प्रयास करूंगा विधानसभा से विदाई भाषण में बोले येदियुरप्पा

कर्नाटक बीजेपी के कद्दावर नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा में अपना ÷विदाई भाषण÷ दिया. अपनी स्पीच में येदियुरप्पा ने कहा, ÷वह अपनी अंतिम सांस तक ईमानदारी से पार्टी को खड़ा करने और उसे सत्ता में लाने का प्रयास करेंगे.÷ वह कर्नाटक विधानसभा के दशकों तक सदस्य रहे हैं. दक्षिण भारत के दिग्गज नेताओं में से एक बीएस येदियुरप्पा (79 वर्षीय) चुनावी राजनीति से पहले ही संन्यास की घोषणा कर चुके हैं. उन्होंने कहा कि उनके घर बैठने का कोई सवाल ही नहीं है, विधानसभा का सत्र खत्म होने के बाद वह राज्य का दौरा करेंगे और पार्टी और उसके उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे.कर्नाटक के बजट पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए, राज्य के चार बार के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने बीजेपी के विधायकों से बार-बार विश्वास के साथ लोगों के सामने जाने और वोट मांगने का आग्रह किया. उन्होंने पार्टी के विधायकों से कहा कि यह

निश्चित है कि बीजेपी स्पष्ट बहुमत के साथ फिर से सत्ता में वापस आएगी.बता दें कि इसी साल कर्नाटक विधानसभा के चुनाव होने हैं. राज्य में बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार चल रही है. ऐसे में बीजेपी एक बार फिर से कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए प्रयास कर रही है. वहीं कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद राज्य के नेताओं के भी हौसले बुलंद हैं. येदियुरप्पा ने कहा, ÷अगर ईश्वर अगले चुनाव में भी मुझे शक्ति देता है, जो इस चुनाव के पांच साल बाद हैं, तो मैं बीजेपी को सत्ता में लाने के लिए सभी प्रयास करूंगा. जैसा कि आप पहले से ही जानते हैं कि मैंने कहा है कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी द्वारा मुझे दिया गया सम्मान और मुझे दिया गया पद मेरे जीवनकाल में भुलाया नहीं जा सकता है.÷÷अपने जीवन की आखिरी सांस तक मैं ईमानदारी से बीजेपी के निर्माण और पार्टी को सत्ता में लाने के लिए प्रयास करूंगा, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए... मैं अपने सभी (क्ध्क्क) विधायकों को बताना चाहता हूं. विश्वास के साथ काम करने और चुनाव की तैयारी करने के लिए उस तरफ (विपक्ष) के कई लोग हमारे साथ आने के लिए तैयार हैं, अगर आपको भरोसा है तो हम उन्हें साथ ले सकते हैं और स्पष्ट बहुमत के साथ बीजेपी को सत्ता में वापस ला सकते हैं.येदियुरप्पा ने कहा कि शुक्रवार को खत्म होने वाले सत्र के साथ वे आखिरी बार विधानसभा में बोल रहे हैं. येदियुरप्पा ने कहा, ÷यह एक तरह से मेरी विदाई है, क्योंकि मैं विधानसभा में आकर दोबारा नहीं बोल सकता हूं.÷ हालांकि इसके बीच में ही विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और संसदीय कार्य मंत्री जे सी मधुस्वामी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि येदियुरप्पा शुक्रवार को सदन में अपना अंतिम संबोधन करेंगे.

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने राहुल गांधी को भारत-चीन संबंध पर बोलने के लिए बुलाया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने भारत-चीन संबंध, डाटा और लोकतंत्र पर बोलने के लिए बुलाया है. इस पर उन्होंने गुरुवार (16 फरवरी) को कहा कि वो इसको लेकर तैयार हैं. राहुल गांधी ने ट्वीट किया, वो अपने अल्मा मेटर (पुराने संस्थान) कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी जाने को लेकर काफी उत्साहित हैं. उन्होंने बताया कि वो जिओ पॉलिटिक्स, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, बिग डाटा और लोकतंत्र पर बात करेंगे. दरअसल कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने ट्वीट करके जानकारी दी कि राहुल महीने के आखिर में विश्वविद्यालय आएंगे. उनका फिर से स्वागत करने को लेकर यूनिवर्सिटी खुश है.

बंटवारे के बाद खेती वाली 22 मिलियन हेक्टेयर जमीन पाकिस्तान में चली गई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने गुरुवार (16 फरवरी) को कहा कि भारत के बंटवारे के बाद पाकिस्तान के पास खेती योग्य जमीन जाने पर लोग सोचते थे कि हिंदुस्तान अपने लोगों को खिला नहीं पाएगा. एनएसए अजित डोभाल ने कहा, हिंदुस्तान के विभाजन के समय पाकिस्तान के पास 22 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि चली गई. ये भारत का वो भाग था जहां सबसे ज्यादा अनाज पैदा होता था. इसके बाद कई लोगों को मानना था कि देश की 35 करोड़ की जनता के लिए अन्न पैदा नहीं हो पाएगा. यह गौरव का विषय है कि आजादी के 75 साल बाद हमारी आबादी 135 करोड़ हो गई. देश के स्वतंत्र होने पर हमारे पास खाद्यान 50 मिलियन टन था जो आज बढ़कर 315 मिलियन टन हो गया. डोभाल उत्तराखंड में स्थित जीबी पंत यूनिवर्सिटी के 34वें दिक्षांत समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे. एनएसए डोभाल को जीबी पंत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान डी लिट की उपाधि भी दी गई. इस दौरान यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर मनमोहन एस चौहान और राज्य के राज्यपाल गुरमीत सिंह भी मौजूद रहे.

जयमाला के दौरान पटाखा चलते ही डर गया दूल्हा

शादियों का सीजन इन दिनों जोरों शोरों पर है. जिसके कारण आए दिन हमें कई बेहतरीन वीडियो देखने को मिल रहे हैं. शादी के दौरान लड़की से लेकर लड़के वालों को काफी मस्ती मजाक करते देखा जाता है. शादी की रस्मों के दौरान कई बार ऐसे मौके आते हैं, जब बारातियों को बेहतरीन डांस करने से लेकर जीजा-साली को मजाक करते देखा जाता है. इन मौकों की कुछ बेहद खास वीडियो सोशल मीडिया पर सभी को गुदगुदाने का काम करती है. हाल ही में एक वीडियो सामने आया है. जिसमें जयमाला की रस्म को होते देखा जा सकता है. इस दौरान कुछ ऐसा होता है कि दूल्हा डर जाता है. जिसके बाद सोशल मीडिया पर उसकी खिल्ली उड़ रही है. यहीं कारण है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है. वीडियो को देख यूजर्स मजे लेते हुए क्या दूल्हा बनेगा रे तू कमेंट कर रहे हैं. फिलहाल वायरल हो रही इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर जीया मीना नाम की एक प्रोफाइल से पोस्ट किया गया है. इस वीडियो में दूल्हा और दुल्हन स्टेज पर जयमाला की रस्म को पूरा करते नजर आते हैं. उसी दौरान जश्न के माहौल को दोगुना करने के लिए कोई शख्स पटाखा चला देता है. जिसके धमाके की आवाज इतनी तेज होती है कि दूल्हा उसे बंदूक से निकली गोली समझकर डर जाता है, ऐसा होते ही दूल्हे की प्रतिक्रिया देख हर कोई हंसने लगता है. दूल्हे को डरते देख सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रही है. वहीं सोशल मीडिया पर दूल्हे की किरकिरी भी हो गई हैं. खबर लिखे जाने तक वीडियो को सोशल मीडिया पर 5 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 2 लाख 24 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल गए हैं. वहीं यूजर्स लगातार फनी कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट कर लिखा दूल्हे को भ्रम था की लड़की के आशिक ने फायरिंग तो ना कर दी. एक अन्य ने लिखा भाई साहब दूल्हा कमजोर निकला . एक यूजर ने दूल्हे की साइड लेते हुए लिखा दूल्हा शरीफ और सिंपल है, लड़ाई-झगड़ा बिल्कुल पसंद नहीं.

21 फरबरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में नई आबकारी नीति लागू करने के समर्थन में नगर में रैली निकाली वही

19 फरबरी 2023 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नवीन आबकारी नीति 2023 लागू कर संपूर्ण प्रदेश में शराब दुकानों पर से आहतो को बंद किए जाने तथा साथ ही धार्मिक स्थलों शैक्षणिक संस्थानों और क्षात्रावासो से शराब की दूरी 50 मीटर से बढ़ाकर 100 मीटर की गई है, और इसी के साथ साथ नई आबकारी नीति लागू होने के बाद शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के विरुद्ध ड्राईविंग लाईसेंस निलंबित किए जाने का प्रावधान किया गया है। इसी क्रम में नगर परिषद द्वारा आज मुंगावली नगर में एक रैली निकाली गई और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नई आबकारी नीति लागू करने पर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री का अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष नितू नरेश ग्वाल, सांसद प्रतिनिधि रंजीत सिंह राजपूत मनीष राय पार्षद और परिषद के सभी पार्षदों के साथ साथ शहर के गणमान्य नागरिक पंजाबी महिला समाज की महिलाओं सहित लोगों ने रैली में बड चढ़ के हिस्सा लिया, और नगर परिषद अध्यक्ष नितू नरेश ग्वाल द्वारा नई आबकारी नीति की सहारना करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया,। और सांसद प्रतिनिधि रंजीत सिंह राजपूत द्वारा नई आबकारी नीति की और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सहराना की अब देखना है कि नई आबकारी नीति लागू होने से क्या बार्ड न तीन अहिरवार समाज की बीचोबीच बस्ती देशी शराब की दुकान भी है और 100 मीटर के दूरी के अंदर दो दो स्कूल सेंट मीरा कांवेंट स्कूल और स्वामी विवेकानंद स्कूल आते हैं,। प्रदेश में नई आबकारी शराब नीति लागू होने पर क्या प्रशासन द्वारा बार्ड तीन में बीच बस्ती से अब देशी शराब की दुकान को हटाया जाएगा या नहीं नई शराब नीति पर प्रशासन मूकदर्शक बनकर देखता रहेगा या कार्यवाही करेगा यह आगे देखा जाएगा

शिक्षक कॉलौनी में सिलेण्डरों का अवैध भण्डारण पकड़ा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती ज्योति थानेश्वर, अजय अष्ठाना एवं रामबिहारी तोमर द्वारा गैस सिलेण्डर के अवैध रूप से भण्डारित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की। आज बाईपास रोड़ निराश्रित भवन के सामने शिक्षक कॉलौनी भिण्ड स्थित श्री सांई इंडेन गैस एजेंसी के कार्यालय के ठीक नीचे बने गोदाम की आकास्मिक जांच की गई। जिसमें घरेलू सिलेण्डर भरे हुए 12 एवं खाली 186, व्यावसायिक सिलेण्डर 17 भरे हुए एवं 12 खाली तथा छोटे सिलेण्डर पांच कि.ग्रा. वाले 57 भरे हुए एवं 41 खाली जिस प्रकार कुल 387 सिलेण्डर पकड़े गये।जिला आपूर्ति अधिकारी श्री एमके वार्ष्णेय ने बताया कि मौके पर उपस्थित गैस एजेंसी के ऑपरेटर लवकुष शर्मा से उक्त भण्डारित सिलेण्डर के गोदाम के विस्फोटक लायसेंस की मांग की गई। उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया। गोदाम में सुरक्षा के उपाय जैसे अग्निशामक यंत्र, रेत की बाल्टियां, खतरे का बोर्ड एवं तार फेंसिंग आदि नहीं पाई गई। उक्त भण्डारित स्थान रिहायसी आवासीय वाले क्षेत्र में है। जहां दुघर्टना होने पर बड़े जानमाल की हानि हो सकती है। गैस एजेंसी के संचालक का नाम अमित त्रिपाठी बताया गया है। संचालक द्वारा बिना वैद्य विस्फोटक लायसेंस एवं बिना सुरक्षा उपाय किये गैस सिलेण्डरों का भण्डारण किया जो कि द्रविकृत पेट्रोलियम गैस के प्रावधानों के विपरीत होते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत् दण्डनीय अपराध है। मौके पर समस्त सिलेण्डर जप्त कर सूर्या गैस एजेंसी के संचालक की सुपुर्दगी में दिए गए तथा परा में स्थित गैस एजेंसी के गोदाम को भी शील्ड किया गया। प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जा रही है।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह का हुआ आयोजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम पंचायत वारी में 20 फरवरी दिन सोमवार को दोपहर 12.00 बजे महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि उदयसिंह पंचेश्वर संरक्षक जिला म.मा.स. बालाघाट, राजकुमार चौधरी उपाध्यक्ष जिला म.मा.स. बालाघाट एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मानिकलाल पांचे अध्यक्ष म.मा.स.ब्लॉक, अतिथी रमेश पांचे अध्यक्ष जिला म.मा.स. बालाघाट, विशिष्ट अतिथी डॉ . के.एल. मराठे संरक्षक पूर्व म.मा.स.ब्लाक, रेखलाल कावरे पंडा बाबाजी, रिषी पटेल दशरिया सरपंच ग्राम पंचायत वारी, सीताराम बड़मे उपाध्यक्ष म.मा.स., श्रीमती नवंतीन मातरे महिला प्रकोष्ठ ब्लाक लांजी एवं समस्त मरार माली समाज ग्राम वारी की गरिमामई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। एवं मंचीय कार्यक्रम संपन्न हुए, मंचीय कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले के योगदान का वर्णन किया गया।

महात्मा ज्योतिबा फूले जी का योगदान अद्वितीय:ऋषि पटेल दशरिया सरपंच वारी–हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी फुले जयंती मनाने यहां एकत्रित हुए हैं निश्चित ही महात्मा ज्योतिबा फुले 19वीं सदी के ऐसे महान नायक थे जिन्होंने छुआछूत की भावनाओं को मिटाने का काम किया महिला सम्मान के लिए लड़ाई लड़ी उन्होंने सेवा समाज के अंदर शिक्षा के महत्व को समझाया महाराष्ट्र के पुणे शहर में उन्होंने एक महिला स्कूल का शुभारंभ किया और अपनी धर्मपत्नी जो कि एक अनपढ़ महिला थी माता सावित्रीबाई फुले उन्हें 4 वर्ष तक स्वयं प्रशिक्षण देकर उन्हें शिक्षित किया और उसी स्कूल में शिक्षा देने का दायित्व सौंपा इस प्रकार माता सावित्रीबाई फुले को हिंदुस्तान के अंदर प्रथम शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त हुआ।

कृषि विपणन के नए आयाम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ सम्पन्न

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जयपुर राजस्थान एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कृषि विपणन के नए आयाम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न हुई। यह प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 20 से 22 फरवरी को आक्सन हाल वन विभाग कालोनी गरियाबंद में सोनातारी एग्रो कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंडी अध्यक्ष ओम राठौर गरियाबंद ,अध्यक्षता मुकेश रामटेके एल्डर मैन, देवा मरकाम पार्षद, वैध राज संघ जिलाध्यक्ष गरियाबंद कल्याण सिह नेताम, विशिष्ट अतिथी युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव ,एवं हरीश यादव पार्षद छुरा की एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र गरियाबंद के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा मनीष चौरसिया सहकारिता विभाग से सुभाष कोल्हे, सहायक संचालक कृषि गरियाबंद, उद्यानिकी विभाग के सुनील कुमार एवं पूरन सिंह दिवान मत्य विभाग ,मनोज चन्दाकर विशाल धुव की अध्यक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी के रूप में किसान उत्पादक विपणन सहकारी मर्यादित समिति विकास खण्ड फिंगेश्वर, गरियाबंद, छुरा, मैनपुर के सदस्य एवं क्षेत्र के उन्नत कृषकों को प्रतिभागी के रूप में शामिल किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि उत्पादन विपणन हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराने आवश्यक गुणवत्ता एवं मानकों हेतु दस्तावेजीकरण एवं व्यवसायिक कृषिकरण प्रसंस्करण हेतु विस्तृत कार्ययोजना निर्माण के लिए पहल पहल की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गरियाबंद द्वाराके वरिष्ठ वैज्ञानिक डा मनीष चौरसिया द्वारा गरियाबंद के चारों कृषक उत्पादक विपणन सहकारी मर्यादित समिति को कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद के बौद्धिक संपदा एवं संसाधन पहुंच बनाने हेतु सेवा आपूर्तिकर्ता एवं तकनीकी आदान प्रदान के लिए सहमति जताई है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा कृषकों को संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के विषय पर कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग,मत्य विभाग,वन विभाग, मृदा परीक्षण विभाग, एवं कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद के अलावा सहकारिता विभाग के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के समापन समारोह में राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम भारत के क्षेत्रीय निर्देशक कैलाश कौशिक द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में एफ पी ओ के सफल संचालन हेतु अपने विभाग की जानकारी से अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि लघु वनोपज सहकारी समिति जिलाध्यक्ष गरियाबंद कल्याण सिंह कपिल, जिलाध्यक्ष वैध कल्याण सिह नेताम, विशिष्ट अतिथी युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव, पार्षद नगर पालिका परिषद गरियाबंद देवा मरकाम ,लघु वनोपज समिति सदस्य तीहार सिंह नेताम, एंव बड़ी संख्या मे चारो ब्लाक के किसान उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए

नक्सलियों को नेस्तनाबूत करने वाले जवानों की वीरता का सम्मान करने आया हूं–मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 55 जवानों को दी क्रम से पूर्व पदोन्नति

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

हाक फोर्स एवं पुलिस के जवानों ने कठिन एवं विपरीत परिस्थियों में नक्सलियों को नस्तनाबूत करने का काम किया है। नक्सलियों के नेटवर्क को समाप्त कर दिया है। वर्ष 2022 में 01 करोड़ 18 लाख रुपये के ईनामी 06 नक्सलियों को मार गिराने में हमारे जवानों को सफलता मिली है। ऐसे वीर जवानों की वीरता का सम्मान करने आज मैं बालाघाट आया हूं। अपने वीर जवानों के सम्मान के लिए मैं अपनी सारी व्यस्ततायें कुर्बान कर दूंगा, लेकिन जवानों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दूंगा। यदि वीरता का सम्मान नहीं किया जायेगा तो वह बांझ हो जायेगी। प्रदेश सरकार नक्सल उन्मूलन में जान की बाजी लगाने वाले हमारे जांबाज वीर जवानों को क्रम से पूर्व (आऊट आफ टर्न) प्रमोशन देकर उनका सम्मान कर रही है और उन्हें सेल्यूट कर रही है। हम पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों के जज्बे को सलाम करते है। यह बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज 22 फरवरी 2023 को पुलिस लाईन बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में 55 जवानों को आऊट आफ टर्न प्रमोशन देने के अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन, मध्यप्रदेश खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक सुश्री हिना कावरे, श्री टामलाल सहारे, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक श्री के डी देशमुख, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुप्त वाता श्री आदर्श कटियार, बालाघाट जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार, उप महानरीक्षक श्री अनुराग शर्मा, कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ, पुलिस अधीक्षक मण्डला श्री यशपाल सिंह राजपूत, पुलिस अधीक्षक डिण्डोरी श्री संजय सिंह, सेनानी हॉकफोर्स श्री पुनीत गहलोत, सेनानी 123 वीं वाहिनी सीआरपीएफ भरवेली श्री सुधीर कुमार, श्री आदित्य मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में आऊट आफ टर्न प्रमोशन पाने वाले जवानों को मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं अतिथियों ने बैच लगाकर सम्मानित किया और जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनके बच्चों की पड़ाई आदि विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि आज पुलिस जवानों को आउट आफ टर्न प्रमोशन देने का अद्भूत अवसर है। इन जवानों के विपरीत परिस्थितियों में कठिन परिश्रम के कारण हमारे गांव एवं शहर सुरक्षित है। जब हम अपने घरों पर परिवार के साथ तीज त्यौहार मना रहे होते हैं, तब हमारे जवान घने जंगलों एवं पहाड़ों पर अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी सुरक्षा में लगे रहते है। उन्होंने पुलिस एवं हाक फोर्स के जवानों से कहा कि जब भी वे जंगल में नक्सल उन्मूलन अभियान में जायें तो स्वयं को अकेला ना समझें, बल्कि यह समझें कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश की सरकार भी उनके साथ है। वर्ष 2022 नक्सलियों के नेटवर्क को नेस्तनाबूत करने का साल है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार एक साल में 06 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली है। यह सफलता आसानी से नहीं मिली है। हमारे जवानों ने विपरीत परिस्थितियों में जान हथेली पर रखकर और सिर पर कफन बांधकर कठिन संघर्ष के बाद इस सफलता को हासिल किया है। नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में ईनामी नक्सलियों को मार गिराने के साथ ही हथियार, नक्सली साहित्य और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी लड़ाई ऐसे देशद्रोही संगठन से है जिसके सदस्य संविधान को नहीं मानते हैं और छुप कर वार करते हैं। प्रदेश के उत्तरी ईलाकों में पहले डकैतों का आतंक रहा है। लेकिन हमारी सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से प्रदेश से डकैतों का सफाया कर दिया है। सीमी के नेटवर्क को समाप्त किया है। हम प्रदेश में किसी भी तरह के आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगें। नक्सल उन्मूलन अभियान में शामिल जवानों को प्रोत्साहन भत्ता देने के साथ ही क्रम से पहले पदोन्नति दी जा रही है। प्रदेश सरकार के इसी प्रोत्साहन के कारण हमारी सरकार नक्सलियों को खत्म करने में सफल हो रही है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका हमारे पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों के परिवार की माताओं एवं बहनों की होती है। इन माताओं एवं बहनों के हौसले के कारण ही हमारे जवान जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों को निभाते है। इसके लिए प्रदेश की साड़े 08 करोड़ जनता आपकी आभारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार प्रदेश में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने वाले जवानों के साथ खड़ी है। उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होने देंगें। हमारी सरकार जवानों के बच्चों की शिक्षा, बीमारी के उपचार पर भी ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों ने मध्यप्रदेश को शांति का टापू बनाकर रखा है। हम शांति के पक्षधर हैं और खूनखराबा नहीं चाहते है। उन्होंने नक्सलियों को इंगित करते हुए कहा कि शांति की बात करने वालों के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले है। प्रगति एवं विकास के लिए हमारे साथ कदम मिलाकर चलें। हिंसा से कुछ हासिल नहीं होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने काहा कि कोविड काल में पुलिस के जवानों ने अपने जान की परवाह न कर लाकडाउन का अच्छी तरह से पालन कराया है। कोविड काल में पुलिस के कई साथी शहीद हो गये। बेटियों की सुरक्षा के लिए मुस्कान अभियान चलाया गया है। बेटियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को फांसी के फंदे तक पहुंचाने का काम भी किया जायेगा। प्रदेश सरकार ने दारू की दुकानों में चलने वाले अहातों को बंद करने का निर्णय कर लिया है। 31 मार्च के बाद प्रदेश में दारू की दुकान में कोई नया अहाता नहीं खुलेगा और दारू की दुकानों में चलने वाले सारे अहाते बंद कर दिये जायेंगें। मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन मध्यप्रदेश पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज एक साथ 55 जवानों को क्रम से पहले पदोन्नति दी जा रही है। पहले कभी एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पदोन्नति नहीं दी गई थी। नक्सली मुठभेड़ में वीरता का परिचय देने वाले वाले इन 55 जवानों को सारी औपचारिकतायें शीघ्रता से पूर्ण कर पदोन्नति दी गई है। 32 वर्षों के इतिहास में पहली बार एक साल में ही 06 नक्सलियों को मार गिराया गया है। पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने इस दौरान बताया कि 30 नवंबर 2022 को बालाघाट जिले के गड़ी थाना क्षेत्र में नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में हाक फोर्स के जवानों ने दो ईनामी नक्सलियों को मार गिराया था। इसी प्रकार 18 दिसंबर 2022 को पाथरी चौकी के अंतर्गत हर्राटोला के जंगल में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के जवानों 01 ईनामी को मार गिराया था। इन दोनों मुठभेड़ में शामिल सभी 55 जवानों को आऊट आफ टर्न प्रमोशन (समय से पूर्व पदोन्नति) दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा 30 नवंबर 2022 को गड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जामसहेरा वन चौकी में पुलिस नक्सल मुठभेड़ में 49 लाख रुपये के ईनामी 02 दुर्दान्त नक्सलियों को मार गिराने वाले बल में शामिल सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह गौर एवं मंगरू उईके को उप निरीक्षक के पद पर, प्रधान आरक्षक अतुल कुमार शुक्ला, मनोज कापसे, लोकेन्द्र सिंह जादौन, अनूप सिंह भदौरिया, रामसुरेश कोल, अनूप सिंह धुर्वे, अरूण मिश्रा, रामलखन प्रजापति एवं दिलीप उईके को सहायक उप निरीक्षक के पद पर तथा आरक्षक शिवकुमार परते, दुर्गेश यादव, चंदन कुमार, अजीज अली, अनूप सिंह, रविन्द्र कुमार, अखिलेख चौधरी, दिलीप सिंह कनेश, विनोद बेलवंशी, ब्रजमोहन गुर्जर, तिरनसिंह नवरेती, मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, चैनसिंह वरकड़े, रोशन परते, अभिषेक राजौरिया एवं चंद्रेश जादौन को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। इसी प्रकार 18 दिसंबर 2022 को मलाजखंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत हर्राटोला जंगल में हुई मुठभेड़ में 14 लाख रुपये के ईनामी 01 नक्सली को मार गिराने वाले बल में शामिल उप निरीक्षक आशीष शर्मा व विनय गोस्वामी को निरीक्षक के पद पर, सहायक उप निरीक्षक मोहनलाल मरावी को उप निरीक्षक के पद पर, प्रधान आरक्षक हनुमंत टेकाम, बुद्धमान धुर्वे, गोविंद सिंह, सुमेरी मरावी, काशीराम उईके व राजेश धुर्वे को सहायक उप निरीक्षक के पद पर, आरक्षक सूरत सिंह उर्वेती, चंदन टेंभरे, श्रेयस कुमार उईके, लक्ष्मीचंद कड़पेती, भूपेन्द्र परते, अमरसिंह हरपाल, विजय उईके, राजेश पट्टा, उमेश पटेल, संदीप इड़पाचे, ब्रिजेश चिचाम, विमलेश कुमार दुबे, परमेश इड़पाचे, गोविंद सल्लाम, शिवराज परते, मिथलेश मरावी, अनवर अंसारी एवुं नरेन्द्र धुर्वे को प्रधान आरक्षक के पद पर तथा आरक्षक चालक योगेश आर्मो को प्रधान आरक्षक चालक के पद पर पदोन्नति दी गई है।

शहीद स्मारक में पुष्प चक्र अर्पित की शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष श्री गौरीशंकर बिसेन, खनिज विकास निगम अध्यक्ष श्री प्रदीप जायसवाल, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुप्त वाता श्री आदर्श कटियार, बालाघाट जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार, कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने पुलिस लाईन शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

अम्बाह पुलिस की ताबड तोड कारबाही हत्या के प्रयास के अपराध मे फरार पॉच पॉच हजार के इनामी बदमाशों को धर दबोचा...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी द्वारा संपूर्ण जिले मे इनामी फरारी बदमाशों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया जी के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह परिमाल सिंह मेहरा के मार्गदर्शन मे थाना अम्बाह पुलिस द्वारा आज दिनांक 22/02/23 को थाना अम्बाह के अप.क्र.936/22 धारा 307,323,294,34 ताहि 25,27 आर्म्स एक्ट मे फरार 02 आरोपीगण को गिरफ्तार करने मे सफलता हांसिल की है। जिनकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक महोदय मुरैना द्वारा पॉच पॉच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।सराहनीय कार्य..निरी. विनय यादव थाना प्रभारी अम्बाह, एसआई पारथसिंह परिहार, एसआई पंकज यादव, एसआई विवेक तोमर, प्रआर.539 भारतसिह गुर्जर, प्रआर. 707 महेश शर्मा, आर. 656 सुभाष यादव, आर.1088 नारायण शर्मा, आर. 716 जोगेन्द्र सिंह, आर.339 सतेन्द्र गुर्जर, आर.334 सीताराम, आर.1049 नरेंद्र मौर्य, चालक आर. 235 धर्मेन्द्र परमार थाना अम्बाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है...

विकास यात्रा का उद्देश्य जनहितैषी योजनाओं की जानकारी देकर उनसे पात्र हितग्राही को लाभान्वित करना : मंत्री डॉ अरविंद सिंह

नगर परिषद फूप के कई वार्डों में निकाली गई विकास यात्रा

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द

सिंह भदौरिया ने आज नगर परिषद फूप में आयोजित विकास यात्रा में कई विकास कार्यों का लोकार्पण करने के साथ कई हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये। उन्होंने विकास यात्रा के दौरान शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय भवनपुरा में माँ सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ विद्यालय में 19.36 लाख की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्षों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय भवनपुरा में पौधारोपण किया।नगर परिषद फूप में विकास यात्रा के दौरान जनता द्वारा सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। नगर परिषद फूप के वार्ड क्रमांक 08 में विकास यात्रा के दौरान स्थानीय रहवासियों द्वारा ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत की। इस पर सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने बिजली विभाग के अधिकारियों को तत्काल मौके पर आदेशित कर ट्रांसफार्मर को बदलवाया। सहकारिता मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकास यात्रा का उद्देश्य जनहितैषी योजनाओं की जानकारी देकर उनसे पात्र हितग्राही को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि गरीबों को निःशुल्क इलाज आयुष्मान भारत निरामयम् योजना अंतर्गत मिल रहा है। पांच लाख रुपये तक का इलाज प्रायवेट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गरीबों को पक्के मकान बनाकर उनके सपनों को पूरा किया है। इसी तरह मुख्यमंत्री जी ने भी गांव के बच्चों की चिंता की उन्होंने हिंदी मीडियम से पड़ने वाले विद्यार्थियों की मेडिकल की पड़ाई हिंदी में प्रारंभ हो सके इस हेतु प्रयास किए और आज मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बना है,जहां मेडिकल की पड़ाई हिंदी में प्रारंभ हुई है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने नगर परिषद फूप के वार्ड क्र.2 में विकास यात्रा का उद्देश्य जनहितैषी योजनाओं की जानकारी दी।

विकास यात्रा नहीं प्रायश्चित यात्रा निकाले भाजपा:मानसिंह कुशवाहा

विकास किया होता तो यात्रा निकालनी ही नही पड़ती 18 साल का हिसाब जनता के सामने रखे भाजपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने कहा कि सरकारी खर्च पर जिला कलेक्टरों और प्रभारी मंत्रियों के सहयोग से भाजपा द्वारा विकाश यात्रा निकाली जा रही है। कथित विकास यात्रा का तीखा प्रतिकार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष नेकहा कि प्रदेश की जनता को मूर्ख बनाने वाली इस यात्रा के पूर्व प्रदेश के मुखिया शिवराजसिंह चौहान को अपने 18 वर्षीय विनाश काल का हिसाब देना चाहिएड़ भाजपा को विकाश यात्रा नही प्रश्चित् यात्रा निकाल कर प्रदेश की जनता और भिण्ड जिले की जनता से माफी मांगनी चाहिएं। उन्होने ने कहा कि यह यात्रा प्रदेश में व्याप्त भीषण भ्रष्टाचार, जंगल-माफियाराज, ध्वस्त कानून-व्यवस्था, मजदूरों, किसानों और बेरोजगारों के साथ हुई सरकारी क्रूरता को भुलाने का एक अक्षम्य राजनैतिक प्रयास है।श्री कुशवाह ने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार और भाजपा संगठन को कांग्रेस की ओर से सीधी चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वी.डी. शर्मा 18 वर्षों के भाजपाई कार्यकाल और 15 महीने के कमलनाथ सरकार के कार्यकाल को लेकर जहां भी चाहें हम खुली बहस के लिए तैयार है। उन्होंने सत्ता और संगठन दोनों के ही मुखियाओं से आग्रह किया है कि जब उनके नेतृत्व ने एक लंबे

समय तक ''विकास की अर्थी'' निकालते हुये प्रदेश को विनाशराज में तब्दील कर दिया है, तब जनता के पैसों का दुरूपयोग कर अपनी खोखली राजनैतिक ताकत को प्रदर्शित करने वाली यह यात्रा एक आर्थिक भ्रष्टाचार ही कहा जाएगा, क्योंकि प्रदेश आर्थिक कंगाली के मुहाने पर खड़ा हुआ है, साड़े तीन लाख करोड़ का कर्ज प्रदेश का विकास नहीं भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के निजी विकास की गौरव गाथा लिख चुका है। भाजपा सरकार के खर्च पर होने वाली इस यात्रा की कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है।कांग्रेस ने प्रश्न करते हुए कहा कि यात्रा का खर्च सरकारी कोष से क्योंड़

मप्र आर्थिक पैमाने पर बुरी तरह फिसड्डी साबित क्यों हुआ, भाजपा सरकार की ऊंची विकास दर, प्रदेश में निवेश और बड़े पैमाने पर रोजगार दिए जाने की घोषणाएं झूठी साबित क्यों हो रही हैंड़

- स्टेट रैंकिंग 2023 में 17 बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश 13 नंबर पर क्योंड़
- मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति बुरी तरह चौपट, 17 राज्यों में 16 नंबर पर क्योंड़
- वित्तीय समावेशन फाइनेंसियल इंक्लूजन में मप्र 17 राज्यों में 15 वें नंबर पर क्योंड़
- सामाजिक क्षेत्र में मध्य प्रदेश 17 राज्यों में 14 में नंबर पर क्योंड़
- बुनियादी ढांचा क्षेत्र में मध्यप्रदेश 17 राज्यों में 13 नंबर पर क्योंड़
- पर्यावरण के मामले में मध्य प्रदेश 17 राज्यों में नौवें नंबर पर क्योंड़

जिला में अपराध बड़ा और अवैध खनन रोकने में नाकाम रहा जिला प्रशासन

कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने कहा भिण्ड में आए दिन हत्या और लूट ,गोली बारी, चोरी की घटनाओं में इजाफा हुआ है, पुलिस प्रशासन ने जिले को अपराधियों का पनाहगार बना दिया है। इसिप्रकार जिला प्रशासन भी अवैध खनन रोकने में नाकाम साबित हुआ है जिले के भाजपा नेताओं से गठजोड़ कर जिले में खनन की लूट मचा रखी है।

जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकत्सकों की कमी

भिण्ड जिले में जिला मुख्यालय सहित तहसील स्तर पर अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकत्सको की कमी को 18 साल में भाजपा पूरा नही कर पाई जनता के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ करके कौनसी विकास यात्रा निकाल रहे हैं। भाजपा सरकार में सिर्फ भष्टाचार का विकास हुआ है। और कुछ नही।

कलश यात्रा निकाली ,धर्मगुरू दीवान और आईमाता भैल रथ का वधावणा

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा तामीलनाडु ।होसूर में स्थित नवनिर्मित आईमाता मंदिर प्रतिष्ठा पंच दिवसीय महोत्सव में सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह और भैल रथ के आगमन पर बधावना किया गया। श्रद्धालुओं ने धर्मगुरू दीवान के स्वागत के लिए पलक पावडे बिछाए ।इस मौके पर विभिन्न मार्गो से गाजे बाजे संघ आराध्य आईमाता की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।श्रद्धालुओं ने बड़-चड़कर भाग लिया शोभायात्रा में आईमाता के जीवन चरित्र से जुड़ी कई प्रकार की झांकिया सजाई गई। शोभा यात्रा में आईमाता के जयकारे लगाते हुए बेण्डबाजों की धुन पर श्रद्धाल नाचते झूमते नजर आए।शोभायात्रा में पारम्परिक वेशभूषा में रंगबिरंगी छतरिया लिए गेरियों ने विभिन्न स्वांग रचकर ढोल की थाप जमकर थिरकने का आनंद लिया ।शोभायात्रा में 251 बालिकाएं महिलाएं सिर पर कलश लिए मंगल मंगलगीत गाती चल रही थी।शोभायात्रा का श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया ।शोभायात्रा में तामीनाडु झांकि सहित विभिन्न झांकियों ने मन

मोह लिया। शोभा यात्रा में नवयुवक मंडल गैर मंडल बलेपेट वडेर सांस्कृतिक कमेटी ने भाग लिया। शोभायात्रा होसूर शिवजी मंदिर द्वार से आयोजन स्थल पहुंचकर शोभायात्रा धर्म सभा में परिवर्तित हुई ।जहां अध्यक्ष तिलोकचंद परिहारिया ने स्वागत किया। इस कार्यक्रम में दीवान साहब के तिलंक की बोली बाबूलाल भू परिहारिया एंव भैल तिलंक की बोली भूण्डाराम बाबूलाल सैणचा ने लाभ लिया इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष थानाराम गेहलोत, सचिव तुलसाराम चांउडिया,कोषाध्यक्ष भंवरलाल सेपटा ,सह-कोषाध्यक्ष केसाराम चोयल, सह सचिव हुकमाराम सोलंकी , कर्नाटक महासभा के अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी एंव मुख्य अतिथि निरंजन आर्य बलेपेट बडेर, आनेकल बडेर एस एच आर लेआट वडेर कनकपुरा बडेर के सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे। सभी गेर मंडल के सदस्यों का माला साफा मोमेंटो द्वारा स्वागत किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निरंजन आर्य का माला साफा मोमेंटो द्वारा स्वागत किया गया।मंच का संचालक प्रेम सीरवी(सूरत)ने किया

चिटफंड चलाने वालों पर की जाएगी कार्यवाही : कलेक्टर

कलेक्टर ने ली एजेंटो की बैठक

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने आज कलेक्टर चैम्बर मे एजेंटों की बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर जेपी सैयाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे, एलडीएम, जिला कोषालय अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस से एजेंटों ने कहा कि सहारा इण्डिया में लोगों का पैसा डिपोजिट कराया गया था, जिसका नहीं मिल रहा है। कई ऐसे व्यक्ति हैं जिनके यहां लडके या लडकियों की शादी है और जिस व्यक्ति ने पैसा जमा किया है वे हम लोगों से पैसे की मांग कर रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसी कई और जिले में चिटफंड कंपनी कार्य कर रही हों उनकी जानकारी लिखित में दी जाए, ताकि उन पर कार्यवाही की जा सके। पुलिस

अधीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सहारा इण्डिया में जिन लोगों ने पैसा डिपोजिट किया रही है। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उसकी जांच कराई जाएगी। है और वे थाने में एफआईआर के लिए आते हैं तो उनकी एफआईआर लिखी जाती है। उन्होंने कहा कि जिले में अगर कोई चिटफंड कंपनी संचालित हो रही है तो उसकी मुझे जानकारी दें उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि 16 मार्च को एक बैठक आयोजित की जावेगी। जिसमें डीओ, सीएलआई एवं पोस्टमास्टर को बुलाया जावेगा और संस्थागत वित्त से कितने लोगों के द्वारा एजेंसी ली है उस संबंध में भी चर्चा की जावेगी। बैठक में एजेंटों के द्वारा बताया गया कि एलसीजेजे कंपनी के नाम से भिण्ड में एक चिटफंड कंपनी संचालित हो

मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित द सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड पी पी डी में वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

द सुप्रीम पी पी डी कंपनी परिसर में आज स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समस्त कंपनी के कर्मचारियों की अनेकों प्रकार की जांच की गई जिसमें बीपी ,आंखों की जांच एवं मौसम बीमारियों की जांच शुगर की जांच की गई एवं दवाईयों का भी वितरण किया गया जिसमें ग्वालियर ई एस आई हॉस्पिटल लोको डॉक्टर शिल्पा, डॉक्टर जयसवाल, डॉक्टर जादौन, डॉक्टर प्रेम एवं आदि स्टॉप महेश्वरी हॉस्पिटल ग्वालियर

जिन्होंने समस्त कर्मचारियों को बीमारी से बचने के फायदे बताएं प्रत्येक दिन व्यक्ति को कम से कम आधे घंटे व्यायाम करना चाहिए व हेल्दीखाना खाना चाहिए तली हुई चीजें कम से कम खाएं गूटखा, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू,शराब का सेवन नहीं करना चाहिए जिससे अनेकों प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है जिसमें संस्थान में कार्यरत प्रत्येक वर्ग के कर्मचारियों ने लाभ उठाया सुप्रीम कंपनी एचआर मैनेजर योगेश सिंह चौहान और प्रबंधन के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर परीक्षण संपन्न हुआ

योग आयोग के प्रदेश अध्यक्ष बने वेद प्रकाश शर्मा ने पदभार संभाला

प्रतिनियुक्ति पर लिए जाए जिला योग प्रभारी: चाकणकर

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष श्री वेदप्रकाश शर्मा(सेवानिवृत्त आईपीएस) तथा सदस्य श्री हरीश श्रीवास्तव जी ने अपना पदभार संभाल लिया है। शासकीय योग प्रशिक्षण केंद्र भोपाल में स्थित कार्यालय पर श्री शर्मा ने पदभार संभाला। इस अवसर पर योग आयोग के सदस्य हरीश श्रीवास्तव, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक प्रभातराज तिवारी, योग प्रशिक्षण केंद्र की विभागाध्यक्ष श्रीमती विभा गौर, मीना शर्मा श्री देवीदयाल भारती, राजेश श्रीवास्तव, सुनीता भदौरिया, पतंजलि योग पीठ की प्रांत प्रमुख डॉक्टर पुष्पांजलि शर्मा , जिला योग प्रभारी आगर तथा योग प्रशिक्षण केंद्र के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में योग के प्रति जागरूकता, प्रचार-प्रसार और योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और राज्य के प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ जीवन शैली और निरोग जीवन जीने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश योग आयोग का गठन किया गया है। योग आयोग योग के प्रचार और शिक्षा और इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए काम करेगा तथा योगसे संबंधित योजनाएं तैयार करेगा और उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा। योग आयोग संस्थानों और क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए उनकी पहचान भी करेगा। प्रदेश की शासकीय और अशासकीय शालाओं में शिक्षकों और विद्यार्थियों में योग को बढ़ावा देने का कार्य करेगा. शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रखने के लिए योग करने के लिए प्रेरित करेगा एवं आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षणों का आयोजन करेगा।

प्रतिनियुक्ति पर लिए जाए जिला योग प्रभारी:

चाकणकर -ग्वालियर के जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने श्री वेदप्रकाश शर्मा द्वारा योग आयोग के अध्यक्ष तथा श्री हरीश श्रीवास्तव जी द्वारा सदस्य का पदभार संभालने पर उन्हे हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि श्री वेदप्रकाश जी के नेतृत्व में योग आयोग योग को जन जन तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा। चाकणकर ने कहा कि गत वर्ष महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा जिला योग प्रभारियों की नियुक्ति के बाद प्रदेश के शासकीय हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल के अलावा अशासकीय संस्थाओं में नियमित योग कक्षाएं चल रही है। चाकणकर ने मांग की है कि जिला योग प्रभारी एवं विकासखंड योग प्रभारियों को महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा प्रतिनियुक्ति पर लिया जाना चाहिए। इससे उन्हे पूर्णकालिक योग के क्षेत्र में करने में सुविधा रहेगी।

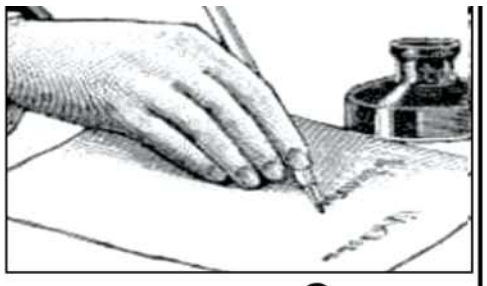

सम्पादकीय

युद्ध की फांस

रूस-यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा होते-होते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की यूक्रेन में अचानक हुई उपस्थिति से साफ हो गया है कि इस युद्ध में यूक्रेन अकेला नहीं लड़ रहा है। यही वजह है कि कुशल रणनीतिकार पुतिन युद्ध के एक साल पूरा होने के बावजूद कोई निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर पाये हैं। उनकी कुछ सफलताएं जरूर हैं लेकिन मास्को की समुद्री पहुंच को निरापद बनाने के अलावा वे कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये हैं। वहीं लोकप्रियता और अर्थव्यवस्था के नजरिये से भी रूस ने बड़ी कीमत चुकाई है। फरवरी 2022 के अंत में जब पुतिन ने अपने दो लाख सैनिकों को यूक्रेन पर आक्रमण के लिये भेजा था तो दावा था कि रूसी सैनिक कुछ ही दिनों में यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचकर सत्ता परिवर्तन कर देंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के सबसे बड़े रूसी हमले की कामयाबी आज फिर सवालों के घेरे में है। भले ही पुतिन ने इसे पूर्ण युद्ध नहीं माना और एक सैन्य अभियान की संज्ञा दी,लेकिन आज करीब सवा करोड़ यूक्रेनी नागरिक यदि देश व विदेश में शरणार्थियों का जीवन बिता रहे हैं तो युद्ध की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तब पुतिन ने दलील दी थी कि वे यूक्रेन पर कब्जा नहीं करेंगे बल्कि नाजियों से उसे मुक्त कराना है। साथ ही दलील दी थी कि रूसी समर्थकों के कब्जे वाले इलाकों को मुक्त कराना उनका मकसद है। दरअसल, रूस की असल मंशा यही थी कि यूक्रेन नाटो के प्रभाव से मुक्त रहे। यानी कि गुटनिरपेक्ष स्थिति कायम रहे। लेकिन इस युद्ध ने यूक्रेन को गहरे तक नाटो के साथ जोड़ दिया है। पश्चिमी देशों को भी यूक्रेन के कंधे पर रखकर बंदूक चलाना रास आ रहा है। वहीं यूक्रेन के लोग मानते रहे हैं कि रूस ने चुनी सरकार को हटाने के लिये युद्ध का सहारा लिया। वहीं पुतिन दावा करते रहे हैं कि यूक्रेन नौवीं सदी से ही रूस का हिस्सा रहा है। लेकिन इतना तय है कि मानवता ने इस युद्ध की बड़ी कीमत चुकाई। केवल यूक्रेन में ही हजारों नागरिक व सैनिक नहीं मारे गये, रूस ने भी बड़ी संख्या में अपने सैनिक व जनरल गवांए हैं। वहीं कोरोना संकट के बाद दुनिया की अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के जो कयास लगाये जा रहे थे, इस युद्ध ने उन पर पानी फेर दिया। दुनिया में गेहूं निर्यात के दो केंद्र रूस व यूक्रेन थे। युद्ध के चलते पूरी दुनिया में खाद्यान्न संकट की स्थिति पैदा हो गई। खासकर अफ्रीका व गरीब मुल्कों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दामों में आये उतार-चढ़ाव ने दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया। पूरी दुनिया की खाद्य श्रृंखला इस युद्ध से प्रभावित हुई है। ऐसे में पुतिन के युद्ध थोपने को लेकर सवाल किये जा रहे हैं कि रूस ने एक साल चली लड़ाई से क्या हासिल किया है। कीव समेत कई इलाकों से उसे पीछे हटना पड़ा है। उसकी प्राथमिकता कालांतर डोनबास को मुक्त कराने की हो गई। हालांकि, खारकीव व खेरासन में रूस को शिकस्त मिली, लेकिन युद्ध के लक्ष्यों में कमी नहीं आई। हालांकि युद्ध में रूस ने भारी क्षति भी उठायी और उसकी पूर्ति के लिये द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार आंशिक अनिवार्य भर्ती के लिये बाध्य भी होना पड़ा। यही हकीकत है कि जिस युद्ध को रूस कुछ ही दिनों में खत्म करने की उम्मीद पाले बैठा था वह युद्ध आज भी अनिर्णायक स्थिति में है। वहीं अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन को आर्थिक व आधुनिक हथियारों से पूरी मदद कर रहे हैं। बहुत संभव है कि आने वाले वर्षों में यूक्रेन को सदस्य बनाकर नाटो रूस के दरवाजे तक पहुंच जायेगा। ले-देकर रूस के खाते में यही सफलता कही जा सकती है कि उसने क्रीमिया तक जमीनी रास्ते पर अधिकार कर लिया है, जिस पर वर्ष 2014 में उसने कब्जा किया था।

खर्च पर कर लगे तो सरकारी खजाना भर जायेगा

क्या ये ढाई-तीन करोड़ लोग भी अपना टैक्स पूरी ईमानदारी से चुकाते हैं? नहीं, बिल्कुल नहीं! ईमानदारी से पूरा टैक्स चुकाने वाले लोगों को ढूंढ़ निकालना लगभग असंभव है याने जो टैक्स भरते हैं, वे भी टैक्स-चोरी करते हैं।

हमारे देश में आयकर याने इनकम टैक्स फार्म भरने वालों की संख्या 7 करोड़ के आस-पास है लेकिन उनमें से मुश्किल से 3 करोड़ लोग टैक्स भरते हैं। क्या भारत-जैसे 140 करोड़ के देश में ढाई-तीन

करोड़ लोग ही इस लायक हैं कि सरकार उनसे टैक्स वसूल सकती है? क्या ये ढाई-तीन करोड़ लोग भी अपना टैक्स पूरी ईमानदारी से चुकाते हैं? नहीं, बिल्कुल नहीं! ईमानदारी से पूरा टैक्स चुकाने वाले लोगों को ढूंढ़ निकालना लगभग असंभव है याने जो टैक्स भरते हैं, वे भी टैक्स-चोरी करते हैं। जो नहीं भरते हैं और जो भरते हैं, वे सब टैक्स-चोर बना दिए जाते हैं। हमारी टैक्स व्यवस्था ऐसी है कि जो हर नागरिक को चोर बनने पर मजबूर कर देती है। हर मोटी आमदनी वाला मालदार आदमी ऐसे चार्टर्ड एकाउंट की शरण लेता है, जो उसे टैक्स चोरी के नए-नए गुर सिखाता है। इस सच्चाई को यदि हमारी सरकारें स्वीकार कर लें तो भारत में टैक्स-व्यवस्था में इतना सुधार हो सकता है कि कम से कम 30 करोड़ लोग टैक्स भरने लगें।

देश में 30-40 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें हम मध्यम श्रेणी का मानते हैं। हर मध्यम श्रेणी का नागरिक टैक्स देना चाहेगा लेकिन यदि वह आयकर 10-15 प्रतिशत से शुरू होगा तो उसका पेट भरना भी मुश्किल हो जाएगा। इसकी बजाय आयकर का प्रतिशत एकदम घटा दिया जाए तो इतने ज्यादा लोग टैक्स भरने लगेंगे कि वह 11 लाख करोड़ रुपए से कहीं डेढ़ा-दुगुना हो सकता है। लोगों में जिम्मेदारी का भाव भी पैदा होगा और सरकार की जवाबदेही भी बढ़ेगी। आम आदमी पर हमारी नौकरशाही का रोब-दाब भी घटेगा। कई देश ऐसे हैं, जिनमें आमदनी पर कोई टैक्स ही नहीं लगता। कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री वसंत साठे और मैंने लगभग 35 साल पहले एक मुहिम शुरू की थी, जिसमें हमारी मांग थी कि आयकर को खत्म किया जाए और उसकी जगह जायकर लगाया जाए याने आमदनी पर नहीं, खर्च पर टैक्स लगाया जाए। इसके कई फायदे होंगे। पहला तो यही कि टैक्स-चोरी की आदत पर लगाम लगेगी। दूसरा, लोगों के खर्च घटेंगे। उपभोक्तावाद और फिजूलखर्ची घटेगी और बचत बढ़ेगी। तीसरा, आयकर विभाग बंद होगा, जिससे सरकार का करोड़ों रुपया बर्बाद होने से बचेगा। चौथा, नागरिकों का सिरदर्द घटेगा। पांचवां, डिजिटल व्यवस्था के कारण हर खरीदी पर उपभोक्ता का टैक्स तत्काल कट जाएगा। अभी टैक्स-चोरी के बावजूद अकेले गुड़गांव में विभिन्न कंपनियों पर 13 हजार करोड़ रु. का आयकर बकाया है। पूरे भारत में इस साल सिर्फ 11 लाख 35 हजार करोड़ रु. का आयकर वसूला गया है। लेकिन इससे कई गुना ज्यादा पैसा चोरी हुआ है और बकाया है। यदि आयकर घटे या खत्म हो तो सरकार की आमदनी बढ़ेगी और लोगों को भी राहत मिलेगी।

आत्म उत्थान और जगत कल्याण के चिरंतन स्रोत हैं परमात्मा शिव

कहते हैं, सत्य ही ईश्वर है। यानी, जहां सत्य है, वहां ईश्वर का वास है। महाभारत में, जहां सत्य और धर्म है, वहां ईश्वर का साथ है। और जहां ईश्वर का साथ है, वहां विजय सुनिश्चित है। पर कोई भी सत्य अपने आप में ईश्वर नहीं है। क्योंकि, सत्यता एक बहुत बड़ा ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्ति है। पर, यह ईश्वर नहीं है। ईश्वर तो सत्यता का शाश्वत स्रोत है। अपने आप में ये एक महीन और महान सत्य है। महीन इसलिए है की वह अति सूक्ष्म है। साकार व आकारी अस्तित्व से वो परे है। अशरीर व निराकार है। पर, परम चेतना व चरम संवेदनशीलता के वे धनी हैं। यही उनकी श्रेष्ठता व महानता है। सर्व मनुष्य आत्माओं के वे रूहानी पिता परमात्मा हैं। अन्य आत्माओं के तरह स्वरूप में वे दिव्य ज्योति बिंदु है। पर रूहानी ज्ञान, गुण और शक्तियों में सिंधु है। सदा और सर्व की कल्याणकारी होने के नाते वे सदाशिव व सर्वेश्वर है। समस्त जन जीवन, जीव और जड़ जगत को संतुलित, समरस, सत्तो प्रधान व खुशहाल बनाने में उनका कार्य सही अर्थ में सदा सुंदर व सुखदाई है। सभी अर्थों में ईश्वर ही सत्यम शिवम सुंदरम है। यानी, ईश्वर संसार का सर्वोच्च सत्य है, जिनका गुण व कर्त्तव्य वाचक नाम सदाशिव है, जो सदा सबके कल्याणकारी है। समस्त संसार और प्राणियों के लिए हितकारिता ही उनकी सच्ची सुंदरता है। धर्म शास्त्रों में, परमात्मा शिव को निराकार दिव्य ज्योति स्वरूप माना गया है। ज्योतिर्लिंग के रूप में परमेश्वर शिव को ब्रह्मा, विष्णु, शंकर आदि अनेक देवी देवताओं का आराध्य कहा गया है। भारत के बारह ज्योतिर्लिंग, सृष्टि में परमज्योत शिव के दिव्य अवतरण और शक्तियों के साथ पुनः मिलन का यादगार है। पूरे मानवता को ईश्वरीय ज्ञान, योग, वैश्विक मूल्यों और देवीगुणों से सशक्त व सुसंस्कृत करने का यह स्मृति चिन्ह है। यजुर्वेद में कहा है, ₹तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु₹। अर्थात मेरे मन का हर संकल्प शिवमय हो, यानी शुभ और मंगलकारी हो। वास्तव में, परमात्मा शिव ही मन की शांति, शक्ति, खुशी, एकाग्रता, संतुष्टता व प्रसन्नता के आधार है। शुद्ध संकल्प, आत्मबोध, आत्म उत्थान व विश्व कल्याण के वे शाश्वत स्रोत है। देखा जाए तो शिव शब्द में ही उनका मंगलकारी कर्त्तव्य समाया हुआ है। 'शी' और 'व' से बना शिव पाप नाशक व मुक्ति दाता है। यानी जो सबके पाप हरता व मुक्ति दाता है, वो परमात्मा शिव है। परमेश्वर शिव के इस तत्व दर्शन को समझ जाने से, तथा उनके श्रेष्ठ मत यानी श्रीमत पर चलने से, व्यक्ति आत्म उन्नति और परमात्मा की अनुभूति कर लेता है। इस तरह व्यक्तियों के पवित्र और पुण्यात्मा बन जाने से पूरी मानवता को मुक्ति, जीवन मुक्ति, गति, सद्गति मिल जाती है। जगत का कल्याण हो जाता है। वेद व पुराणों में परमात्मा शिव को सदा ज्योति स्वरूप, प्रकृति पति, त्रिगुणातित व जन्म मृत्यु की चक्र से परे, अजन्मा बताया गया है। तो फिर, महाशिवरात्रि को त्रिमूर्ति शिव जयंती क्यों कहते हैं? अजन्मे का जन्म व जयंती कैसे? असल में, शिव परमात्मा सदा देह रहित, विदेही है। जन्म मृत्यु, विषय भोग, रोग शोक से परे वे अभोक्ता, अशोचता, अयोनिजन्मा, सदा निराकार दिव्य ज्योतिबिंदु स्वरूप है। वे प्रकृति के तीन गुण व अवस्था सत्तो, रजो और तमो से भी परे त्रिगुणातीत है। वे पंच तत्व वाली मानव शरीर, या माता की गर्भ से जन्म नहीं लेते। क्योंकि, वे प्रकृति पति और सबके रूहानी माता पिता सर्वेश्वर है। उनके कोई माता पिता नहीं हो सकते। शिव महिमा स्तोत्र₹ में है, त्रिगुणातीत ज्योति स्वरूप शिव परमात्मा, ब्रह्मा देवता के रजो गुण द्वारा नई सृष्टि रचते हैं, एवं रूद्र देवता के तमो गुण द्वारा पतित पुरानी दुनियां का विनाश कराते हैं। तथा विष्णु देवता के सतो गुणों द्वारा नई सृष्टि का पालन करते हैं। जबकि सभी देवी देवताएं आकारी व साकारी शरीर धारी हैं, परमात्मा शिव अशरीर व निराकार शाश्वत ज्योति स्वरूप हैं। अक्सर लोग भगवान शिव को शंकर व रूद्र नामी देवात्मा के साथ मिला देते हैं। असल में, शंकर व रूद्र सूक्ष्म देहधारी देवात्मा है। जबकी, शिव सभी देव आत्माओं के रचता परमात्मा है। उनके लिए ही गुरू ग्रंथ साहिब में गायन है, 'मानुष को देव किए करत न लागे वार...', अर्थात मानव को देवता बनाने में परमात्मा को समय नहीं लगता। इसी तरह, ब्रह्मा देवताए नमः, विष्णु देवताए नमः व शंकर देवताए नमः कहकर शिवलिंग के ऊपर तीन रेखाएं अंकित की जाती है। उन तीन लकीरों के ऊपर शिव परमात्माए नमः कहकर तिलक बिंदु लगाया जाता है। जिससे, दिव्य ज्योति बिंदु स्वरूप परमात्मा तीन देवों के भी संचालक त्रिदेव व त्रिमूर्ति शिव है। अर्थात्, इन तीन देवों द्वारा परमात्मा शिव सतयुगी दुनिया की स्थापना, पालना व कलियुगी अधर्मी संस्कृति का विनाश कराते हैं। तीन देव आत्माओं के द्वारा तीन दिव्य कर्तव्य संपादित कराते हैं। इसलिए सृष्टि पर शिव अवतरण को त्रिमूर्ति शिव जयंती कहते हैं। ज्योतिर्लिंग शिव परमात्मा ही ज्ञान सूर्य है। वे चार युगों वाली कल्प के अंत (कल्पान्त) के समय पर उदय होते हैं। शास्त्रों में वर्णित उनके साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा के ललाट में प्रगट व अवतरित होते हैं। कलयुगी अधर्म कि रात्रि, ब्रह्मा की रात्रि को समाप्त करते हैं। मानव जीवन व विश्व के पर्यावरण को शुद्ध पूत, पवित्र, हराभरा व खुशहाल करते हैं।

शुद्ध संकल्प, आत्मबोध, आत्म उत्थान व विश्व कल्याण के वे शाश्वत स्रोत है। देखा जाए तो शिव शब्द में ही उनका मंगलकारी कर्त्तव्य समाया हुआ है। 'शी' और 'व' से बना शिव पाप नाशक व मुक्ति दाता है। यानी जो सबके पाप हरता व मुक्ति दाता है, वो परमात्मा शिव है। परमेश्वर शिव के इस तत्व दर्शन को समझ जाने से, तथा उनके श्रेष्ठ मत यानी श्रीमत पर चलने से, व्यक्ति आत्म उन्नति और परमात्मा की अनुभूति कर लेता है।

मातृभाषा सांस्कृतिक और भावात्मक एकता का माध्यम

मातृभाषा एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है।

दुनिया भर में भाषा की सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में पूरी जागरूकता विकसित करने, उसकी समझ और संवाद के आधार पर एकजुटता को प्रेरित करते हुए मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना। यूनेस्को द्वारा अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की घोषणा से बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस को अन्तरराष्ट्रीय स्वीकृति मिली, जो बांग्लादेश में सन् 1952 से मनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में इस दिन एक राष्ट्रीय अवकाश होता है। 2008 को अन्तरराष्ट्रीय भाषा वर्ष घोषित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को फिर दोहराया है। 2023 के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम, बहुभाषी शिक्षा और शिक्षा को बदलने की आवश्यकता है। मातृभाषा एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है। भारतीय वैज्ञानिक सी. वी. श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक उत्तम वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, विदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रद्दु बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है। इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की। मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा जब शिक्षा का माध्यम बनेगी तो मौलिकता समाज में रचनात्मकता का अभियान छेड़ेगी। भाषा और गणित को नई नीति में प्राथमिकता मिलना बच्चों में लेखन के कौशल और नवाचार का संचार करेगा। सृजनात्मक गतिविधियों का वातावरण पैदा करेगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। आज विश्व में ऐसी कई भाषाएं और बोलियां हैं जिनका संरक्षण आवश्यक है। लोकभाषाओं की चिंता इसलिए जरूरी है कि ये हमारी विरासत का एक भाग हैं और हमारी थाती हैं और इनमें जो भी कुछ सुंदर और श्रेष्ठ रचा जा रहा है, उसे सहेजकर रखा जाना चाहिए। यूनेस्को के अनुसार भाषा केवल संपर्क, शिक्षा या विकास का माध्यम न होकर व्यक्ति की विशिष्ट पहचान है, उसकी संस्कृति, परम्परा एवं इतिहास का कोष है। किसी भी राष्ट्र या समाज के लिए अपनी मातृभाषा अपनी पहचान की तरह होती है। अगर हम भारत की बात करें तो यहां हर कुछ कदम पर हमें बोलियां बदलती नजर आएंगी। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा जरूर है लेकिन इसके साथ ही हर क्षेत्र की अपनी कुछ भाषाएं भी है जिन्हें प्रोत्साहन दिया जाना जरूरी है। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्युस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियों वाले देश की 250 भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं। जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, वहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती हैं तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा ह्लगोरपाह्ल है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतू व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं। यदि भारत में हिंदी बोलने वालों की तादाद लगभग 40 करोड़ है तो सिक्किम में माझी बोलने वालों की तादाद सिर्फ 4 है। पूर्वोत्तर के पाँच राज्यों में बोली जाने वाली करीब 130 भाषाओं का अस्तित्व खतरे में हैं। असम की 55, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17 और त्रिपुरा की 10 भाषाएं खतरे में हैं। हाल ही में भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह की तकरीबन हजारों साल से बोली जाने वाली एक आदिवासी भाषा ह्यबोह्ब हमेशा के लिए विलुप्त हो गई । वस्तुतः कुछ समय पहले अंडमान में रहने वाले बो कबीले की आखिरी सदस्य 85 वर्षीय बोआ सीनियर के निधन के साथ ही इस आदिवासी समुदाय द्वारा बोली जाने वाली बो भाषा भी लुप्त हो गई। सशक्त भारत-निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि शिक्षा को अपने समाज एवं राष्ट्र के अनुरूप संचालित करने और अपनी भाषाओं में शिक्षण करने से ज्ञान के नए क्षितिज खुलेंगे, नवाचार के नए-नए आयाम उभरेंगे। मातृभाषा में चिंतन एवं शिक्षण से सृजनात्मक एवं स्व-पहचान की दिशाएं उद्घाटित होगी। वास्तव में स्व-भाषाएं विचारों, विचारधाराओं, कल्पनाओं और अपने व्यापक सामाजिक-राष्ट्रीय दर्शन की स्पष्टता का माध्यम बनती हैं। इसीलिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा को प्रतिष्ठापित करने का अनूठा उपक्रम किया जा रहा है। इसको लेकर देश में मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने एवं इन्हीं भाषाओं में उच्च शिक्षा दिये जाने की स्थितियां निर्मित होने लगी है। ऐसा ही निर्णय अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने अपने से संबद्ध इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिये 2021-22 के शैक्षणिक सत्र के लिये लिया है, जिसके अन्तर्गत क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति दी जा रही है। नवंबर 2020 में, शिक्षा मंत्रालय ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसमें कॉलेजों को मातृभाषा में इंजीनियरिंग की शिक्षा देने की अनुमति दी गई थी।

कारों का मेला सुविधा या झमेला

दुनिया में अब ऐसे कई देश और शहर हैं जहां हफ्ते में एकाध दिन कार-फ्री दिवस मनाया जाता है। यानी जिस दिन लोगबाग कार की बजाय पैदल या सार्वजनिक परिवहन के अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां पर्यटन गतिविधियों-रुचियों वाली जगहों पर कारों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी है। इसी तरह कई देशों में इस पर जोर-आजमाइश चल रही है कि लोग पेट्रोल-डीजल की बजाय इलेक्ट्रिक यानी बिजली से चलने वाली कारों को अपनाएं। ऐसे देशों में भारत की गिनती ऊपरी पांत में होती हैं जहां बिजली वाली कारों को लेकर सरकार और आम जन, दोनों में काफी उत्सुकता है। बीते तीन-चार वर्षों में सरकारी प्रोत्साहन और छूटों के बल पर ऑटोमोबाइल यानी वाहन निमार्ता कंपनियों में यह होड़ मच गई है कि उनमें से कौन सबसे सस्ती कार या स्कूटर-बाइक लेकर बाजार में आती है। हालांकि इस उत्सुकता का एक पहलू यह भी है कि इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने की घटनाओं और इन्हें चार्ज करने संबंधी समस्याओं के चलते इनकी बिक्री अपने शुरूआती अपेक्षित स्तर तक भी नहीं पहुंच सकी है। लेकिन इससे भी कार कंपनियों का जोश ठंडा नहीं पड़ा है। यह हाल में तब साबित हुआ जब राजधानी दिल्ली के नजदीक बसे ग्रेटर नोएडा में तीन साल के अंतराल के बाद एक बार फिर ऑटो एक्स्पो 2023 का आयोजन 13-18 जनवरी के बीच हुआ। इस आयोजन में यह पहला मौका था, जब तीस से ज्यादा ऑटोमोबाइल कंपनियों ने इस बार अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रदर्शित किया। निश्चय ही इलेक्ट्रिक कारें और स्कूटर-बाइक

कई वजहों से उम्मीद जगा रहे हैं। सरकार के नजरिये से देखें, तो एक कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या को लेकर उसकी प्रतिबद्धताएं हैं। इनके तहत सरकार 2030 से 2050 के बीच कार्बन उत्सर्जन की दर में कटौती के वैश्विक मानकों का पालन करना चाहती है। इसके लिए वह इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियों को छूटें मुहैया करा रही है। कंपनियों को आधारभूत ढांचा और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। ऑटोमोबाइल कंपनियों को इसमें आगे चलकर भारी मुनाफे की उम्मीद है, ऐसे में वे मौके को भुनाने में जोरशोर से जुटी हुई हैं। जनता के स्तर पर देखें तो पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी जैसा ईंधन भी उनकी जेब पर डाका डाल रहा है। ऐसे में लोगबाग ऐसी कारें और स्कूटर-बाइक तलाश रहे हैं जो प्रति किलोमीटर एक-सवा रुपये खर्च में सवारी उपलब्ध करा सकें। ईंधन खर्च की यह तकरीबन वही लागत है, जिस पर फिलहाल पेट्रोल वाले स्कूटरझबाइक चलते हैं। लेकिन बिजली पर चलने की यह डगर अभी तो आसान नहीं लग रही है। एक के बाद करके कई ऐसी समस्याएं निकलकर सामने आई हैं, जिनके कारण कंपनियों और आम जनता, दोनों का उत्साह बिजली वाहनों को लेकर ठंडा पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। ये समस्याएं क्या हैं, इन पर चर्चा जरूरी है पर क्या ही अच्छा होता अगर हमारे बीच कारें न होतीं। कार को अनिवार्य बनाने वाली जरूरतें अचानक जरूरी नहीं बनी हैं, बल्कि उनके लिए देश और दुनिया में ऐसे कारण पैदा किए गए हैं, जहां कारों का स्कोप बना है। इसकी एक बड़ी वजह है लचर सार्वजनिक परिवहन तंत्र और घर से दफ्तर व अन्य कामकाजी जगहों के बीच की बढ़ती दूरियां ज्यादा बिक्री माने तेज विकास वैसे तो कारों की बिक्री को देश के विकास की रफ्तार से भी जोड़ा जाता है। ज्यादा कारों की बिक्री से देश के तेज विकास का अंदाजा लगाया जाता है। दावा किया जाता है कि इससे अर्थव्यवस्था की हालत सुधरती है और रोजगार पैदा होते हैं। आज से छह-सात बरस पहले 2016 में जब आयकर विभाग ने एक आंकड़ा जारी किया था कि देश में महज 24.4 लाख करदाताओं ने अपनी सालाना आय दस लाख रुपये से ऊपर घोषित की थी, लेकिन उसी दौरान देश में 25 लाख कारें खरीदी गई थीं। इनमें से 35 हजार कारें ऐसी थीं, जो दस लाख रुपये से ज्यादा की कीमत की थीं और लग्जरी गाड़ी की श्रेणी में गिनी जाती थी। इस विरोधाभास से यह सवाल पैदा हुआ था कि जब लोगों की इतनी आय नहीं है तो आखिर ये कौन लोग हैं जो महंगी कारें खरीद रहे हैं। इसका एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि विरोधाभासी आंकड़ों के बावजूद ऐसी कोई खबर नहीं आती है कि सरकारें कारों की खरीद-बिक्री पर कोई अंकुश लगा रही हैं। इसके उलट ज्यादातर कोशिशें यही हैं कि सरकार कारों की खरीद को बढ़ावा देना चाहती है क्योंकि उसकी नजर में इससे देश की अर्थव्यवस्था को संबल मिलता है और रोजगार पैदा होते हैं। सच्चाई यह है कि कारें आधुनिक विकास का प्रतीक बन गई हैं। ऐसे में चाहे कारें ट्रैफिक जाम लगा रही हों, प्रदूषण में भारी योगदान दे रही हों और सिर्फ स्टेटस सिंबल के तौर पर इस्तेमाल की जाती हों, तब भी उनके प्रति सरकारों, ऑटोमोबाइल कंपनियों और जनता का मोह कम नहीं होता है। आम जनता भी कार को सिर्फ यातायात का साधन नहीं मानती और मौसम की प्रतिकूल स्थितियों में कार के सफर को महज सुविधाजनक सफर के विकल्प के रूप में नहीं देखती। बल्कि हमारे समाज में कारें विलासिता और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यदि ऐसा नहीं होता तो टाटा की सस्ती कार नैनो की बिक्री देश में सबसे ज्यादा होती, पर प्रतिष्ठा (स्टेटस) का सवाल जरूरत के आधार पर इस कदर भारी पड़ा कि टाटा नैनो को बाजार से बाहर हो जाना पड़ा।

खस के पर्दे की खुशबूदार ठंडक

हमारे देश में मौसम से अक्सर बचने की आदत है। उसका आनंद बहुत कम लिया जाता है। गर्मी आयी तो शिकायत होने लगती है कि ओह कितनी गर्मी पड़ रही है, पसीने से तरबतर हो रहे हैं। पंखा चलाओ, कूलर चलाओ या फिर एसी चलाओ। असल में, हम समझ ही नहीं पाते कि गर्मी सहन करना कुदरती तौर पर शरीर के लिए कितना आवश्यक है। यह सही है कि इस मौसम में थकान जल्दी आती है लेकिन फिर भी इसे थोड़ा सहन करना चाहिए। इससे हमारी सहनशक्ति में इजाफा ही होगा जो अनेक मौकों पर काम आता है। वैसे तो गर्मी से बचाव के लिए हम कई साधन जुटाते हैं। पर पहले के समय में एक ऐसा तरीका था जिससे पूरे घर में आने वाली हवा ठंडक के साथ खुशबू भी बिखरती थी। उसे कहा जाता है खस के पर्दे। घर, दुकानों व बरामदों के दरवाजों और खिड़कियों पर लगे ये पर्दे एक सुगन्धित घास के बने होते थे जिसे अंग्रेजी में वेटीवर कहा जाता है जो दरअसल मूलतः तमिल शब्द है। खस का वैज्ञानिक नाम वेटीवर जिजेनिआयडीज है, जिसका अर्थ है नदी के किनारे। यह झाड़ीनुमा खुशबूदार घास पानी के किनारे उगती है। इस घास की खासियत यह भी होती है कि सूखे की स्थिति हो या जल जमाव, दोनों ही स्थिति में यह पनप जाती है। भारत में खस की फसल की खेती राजस्थान, असम, बिहार ,उत्तर प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश तथा मध्यप्रदेश में प्रमुखता से होती है।

छन कर आता सुकून

खस की तासीर ठंडी होती है। इसीलिए इसके बने पर्दे जब खिड़कियों, दरवाजों, कूलर पर लगाकर उन पर पानी का छिड़काव किया जाता है तो उससे छन कर आयी ठंडक शरीर में नई ऊर्जा के संचार में सहायक होती है। दिनभर मूड तरोताजा बनाये रखने में यह ठंडक बहुत काम आती है। दरअसल, वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है मानसिक तनाव। कई शोधों के परिणाम बताते हैं कि शारीरिक तथा मानसिक बेहतरी के लिए विभिन्न प्राकृतिक तथा सुगन्धित तेलों का प्रयोग करके अपने मूड को ठीक कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, खुशबू मानव मस्तिष्क में तत्काल बदलाव ले आती है। दरअसल, हमारे मस्तिष्क में सुगंध को पहचानने वाले न्यूरॉन्स होते हैं। ये न्यूरॉन्स ही मस्तिष्क को ऊजावान बनाते हैं।

सुगंध से छूमंतर तनाव

पुराने जमाने में मिस्र, यूनान एवं रोम में रहने वाले लोग कई मानसिक बीमारियों को ठीक करने के लिए अलग-अलग खुशबू वाले तेलों से उपचार करते थे। खस की जड़ों से निकले तेल से इत्र,परफ्यूम,शर्बत, दवाई, साबुन और कई कॉस्मेटिक बनाये जाते हैं। आज भी खस का इत्र अरब तथा अन्य कई देशों में बहुत पसंद किया जाता है। इसकी खुशबू रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है जिससे नर्व्स सिस्टम शांत रहता है। तनाव को दूर करके अच्छी नींद लाने में भी मददगार होती है। अरोमा थेरेपी यानी कमरदर्द व मोच जैसी व्याधियों में भी खस का तेल उपयोगी होता है।

पर्यावरण में योगदान

खस की घास की अनोखी खासियत यह भी है कि किसान इस घास को सब्जियों तथा फलों के साथ उगाते हैं। माना जाता है कि सब्जियों तथा फलों में कीड़े नहीं लगते तथा कीट पतंगे भी दूर ही बने रहते हैं।

पार्टी की शान पनीर के लजीज व्यंजन

पनीर को बच्चे हों या बड़े, सभी बेहद चाव से खाते हैं। शादी पार्टी हो या फिर होटल में डिनर की टेबल पनीर से बने व्यंजन सबसे ऊपर आपको मिलेंगे। शाकाहारी खाने में अगर कुछ स्पेशल बनाना हो तो पनीर से बेहतर कोई ऑप्शन नहीं होता है। यानी पनीर के बिना हर पार्टी, उत्सव और समारोह अधूरा ही रहता है। पनीर सिर्फ स्वाद में ही नहीं, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी गुणकारी माना जाता है। पनीर एनर्जी बढ़ाने के साथ ही अच्छा इम्युनिटी बूस्टर भी है। पनीर में प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक और आयरन आदि पोषक तत्व होते हैं। पोटेशियम हमारे दिमाग के लिए, खासकर याददाश्त के लिये बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। पनीर कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। इसको डाइट में शामिल कर दांत और हड्डियों को मजबूत रखा जा सकता है। पनीर में मौजूद वसा, कैल्शियम और अन्य विटामिन और खनिज मांसपेशियों को हेल्दी बनाते हैं। जैसे किसी भी चीज के अधिक सेवन के दुष्प्रभाव होते हैं, वैसे ही पनीर के भी अत्यधिक सेवन से बचना श्रेयस्कर है। आइये, पनीर की कुछ लजीज रेसिपीज के बारे में जानते हैं...

पनीर काली मिर्च रेसिपी

सामग्री : पनीर 100 ग्राम, दो प्याज-लंबे कटे, लहसुन 3-4 कली, दो हरी मिर्च, अदरक 1 इंच, काजू टुकड़े दो चम्मच, दो-दो तेज पत्ते, हरी इलायची,

बड़ी इलायची और 3-4 लौंग। मैरीनेट के लिए- दो चम्मच दही, एक चम्मच कसूरी मेथी, आधा चम्मच काली मिर्च मोटी कुटी, दो चम्मच फ्रेश क्रीम, हरा धनिया, नमक, दो बड़े चम्मच मोजेरिला चीज, एक चम्मच कॉर्नफ्लोर, एक

चम्मच तेल।

विधि : काजू को गरम पानी में भिगो दें। पहले पेन में दो चम्मच तेल डालें और सभी खड़े गरम मसाले डालकर भून लें। अब कटे प्याज, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च डालकर 5 मिनट तक भून लें। फिर काजू और थोड़ा पानी डालकर करीब 15 मिनट तक बॉयल होने दें। गैस की आंच मीडियम ही रखें। अब एक बाउल में दही डालें। नमक, थोड़ी सी कसूरी मेथी और साथ में मोटी कुटी काली मिर्च मिला दें और दो चम्मच फ्रेश क्रीम या मलाई डाल दें। हरा धनिया, मोजरेला चीज, कॉर्नफ्लोर, तेल डालकर सब को मिक्स कर लें। पनीर के टुकड़े डालकर मैरीनेट करने के लिए 15 से 20 मिनट तक रख दें। अब मसाले में से मोटी इलायची और तेज पत्ता निकाल कर उसको मिक्सी में पीस लें। पैन में तेल और बटर डालें। अब उसमें पिसे मसाला, नमक डालें और ऑयल छोड़ने तक पका लें। अब मैरिनेट किए हुए पनीर को स्टिक में डालकर थोड़ा फ्राई कर लें। ग्रेवी में बचा हुआ मेरीनेट मसाला भी उसमें डाल दें। आधा कप दूध और आधा चम्मच चीनी डाल दें। साथ में फ्राई किया पनीर डाल दें और काली मिर्च डालकर क्रीम से गार्निश कर लें और नॉन या रोटी के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

तवे पर बनाएं तंदूरी पनीर टिक्का

सामग्री :

16 पनीर के मीडियम टुकड़े, 16 शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 नींबू, 1/2 कप प्याज चौकोर कटे हुए, आवश्यकता अनुसार मक्खन। मैरीनेशन की सामग्री : 4 टेबलस्पून दही, 1/2 टीस्पून काली मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून नींबू का रस, डेढ़ टी स्पून भुना जीरा पाउडर, 1/2 टीस्पून चाट मसाला, 1/2 टी स्पून काला नमक, 1.5 टीस्पून गरम मसाला, नमक, 2 टीस्पून कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबलस्पून बेसन, 1 टेबलस्पून अदरक लहसुन का पेस्ट, 2 टेबलस्पून सरसों का तेल।

विधि :

एक बाउल में मैरीनेशन की सारी सामग्री अच्छी तरह मिक्स करें। फिर इसमें प्याज, शिमला मिर्च और पनीर क्यूब्स मिक्स करें और 15-20 मिनट अलग रख दें। अब एक स्टिक पर सबसे पहले कच्चा आलू, फिर क्रमशः शिमला मिर्च, पनीर, प्याज और फिर से कच्चा आलू लगाएं। इस तरह तीन-चार स्टिक तैयार करें। सभी स्टिक्स को नॉन स्टिक या सामान्य तवे पर बटर लगाकर चारों तरफ से सेंकें। पनीर टिक्का तैयार है, उस पर नींबू का रस और चाट मसाला डालकर सर्व करें।

पनीर ढाबा मसाला

सामग्री :

पनीर के 20 मीडियम टुकड़े, लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच, हल्दी 1/4 चम्मच, गरम मसाला 1/4 चम्मच, लहसुन-अदरक पेस्ट 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार, घी, साबूत धनिया, 2 चम्मच, जीरा 1 चम्मच, काली मिर्च 1/4 चम्मच, सौंफ 1/2 चम्मच, तीन लोंग, दो इलाइची और आधा इंच दालचीनी। ग्रेवी के लिए सामग्री- घी 2 चम्मच, ऑयल एक चम्मच, एक तेज पत्ता, दो छोटी इलाइची, एक इंच दालचीनी, दो लोंग, जीरा एक चम्मच, एक प्याज कटा हुआ, लहसुन-अदरक पेस्ट एक चम्मच, ढाबा मसाला सामग्री- हल्दी 1/4 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1 चम्मच, दो कटे हुए टमाटर, कप दही, हरा धनिया, कसूरी मेथी 1 चम्मच, गरम मसाला 1 चम्मच।

विधि:

एक बाउल में पनीर डालें। लाल मिर्च, हल्दी, अदरक लहसुन का पेस्ट गरम मसाला और नमक मिला के 30 मिनट तक मेरिनेट करके रख दें। अब कड़ाही में एक चम्मच घी डालें, उसमें मेरिनेट किया हुआ पनीर तल लें। अब ढाबा मसाला बनाने के लिए पैन में 2 चम्मच साबुत धनिया, जीरा, काली मिर्च, लौंग, छोटी इलायची, दाल चीनी का टुकड़ा, सौंफ डाल दें। सबको धीमी आंच पर भून लें। फिर मिक्सी में पीस लें। इसके बाद ग्रेवी बनाने के लिए एक पैन में 2 बड़े चम्मच घी और ऑयल डालें। तेज पत्ता, छोटी इलायची, दाल चीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, जीरा, बारीक कटा प्याज डाल कर भून लें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और 5 मिनट चलाएं। ढाबा मसाला बनाने के लिए हल्दी, लाल मिर्च, नमक, बारीक कटे टमाटर डालकर 5 मिनट तक भून लें। अब दही डाल दें और धीमी आंच पर पकाएं। आधा कप पानी डाल दें। तला हुआ पनीर डाल दें और पांच मिनट तक ढककर पकाएं। पनीर ढाबा मसाला को धनिये से गार्निश करके सर्व करें।

मन की नेमत तन की सेहत

दरअसल, आयुर्वेद में हमारे रोग के जो प्रमुख कारण गिनाये गये हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण हमारा आहार-विहार व जीवन शैली की विसंगतियां हैं। इसके अलावा आगंतुक रोग यानी वायरस भी हमारे आहार-विहार से शरीर में बनी कमजोर रोग प्रतिरोधकता की स्थिति ही है। हमारी रोग का प्रतिरोध करने की शक्ति भी तो हमारे आहार-विहार से ही बनेगी। ऋषियों-मुनियों को इन चीजों का पता था। तभी पूरी आयु के लिये स्वस्थ-वृत्त का विधान किया था। हमें कब जागना है, कब सोना है, कब क्या खाना है, कितना खाना है, सबका उल्लेख है। प्रातः, मध्यांतर, संध्या के समय के अनुसार, आयु के अनुसार, ऋतु के अनुसार तथा शरीर की प्रकृति के अनुसार क्या भोजन लेना है। अन्य तथ्य यह कि अलग-अलग परिस्थितियों के अनुसार क्या लेना हैं। इतनी गंभीरता व गहराई से इनका वर्णन किया गया है कि कह सकते हैं कि स्वास्थ्य का मंत्र दिया गया है। आज भी देखे तो कोई भी मनुष्य ताज्जुब किये बिना नहीं रह सकता। दलअसल हमने स्वस्थ जीवन की शैली को भुला दिया है। घरेलू उपचार की पद्धतियां लुप्तप्राय हैं। हमने मान लिया है कि हरी-पीली गोली व इंजेक्शन में ही ताकत है। हमारी व्याधियों की वजह विकृत मानसकिता भी है। निस्संदेह गंभीर रोग से बीमार होने पर औषधि सेवन मजबूरी है लेकिन यदि हम ऋषि-मुनियों के बताए रास्ते पर चलें तो बुद्धिमत्ता से जीवन शैली में बदलाव लाकर स्वस्थ रहा जा सकता है। लेकिन जब आधुनिक जीवन की जटिलताओं में जीवन यापन को बाध्य होते हैं तो हमारी मनोदशा जीवन शैली को बाधित करती है? निस्संदेह, जीवन शैली ने हमारी मनोदशा को बिगाड़ा है। लेकिन एक बात तो तय है कि हम बाहर की परिस्थितियों के अनुसार जितना प्रभावित होंगे और जितना उन पर निर्भर होंगे, मन व देह की स्थितियां बनने-बिगड़ने लगेंगी। यदि हम बाहर से सकारात्मक को लाते हैं, गुणों को लाते हैं तो सुधरेंगी। यदि भय ?व असुरक्षा को लाते हैं तो बिगड़ेंगी। बाहर के जितने साधन मसलन सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिंट मीडिया, उसमें नकारात्मक खबरों का प्रवाह है। आज ऐसा कम देखने को मिलता है मित्र, बंधु-बांधव व रिश्ते-नातेदार सुधार की बात करते हों। हिम्मत देने वाले मित्र व रिश्तेदार वर्तमान में कम ही मिलेंगे। ये स्नेह व मार्गदर्शन बड़े बुजुर्गों में मिलता है। आध्यात्मिक संतों के सान्निध्य करने से मिलता है। हमारे ग्रंथ ऐसा ज्ञान प्रदान करते हैं कि कमजोर मन विविध रोगों का घर होता है। इसको संतवाणी मन चंगा तो कठौती में गंगा के संदर्भ में देख सकते हैं। इसका मतलब सिर्फ सतही ही नहीं है, अर्थ यह है कि मन अच्छा होने से हम रोगों से बच सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाम इम्युनिटी

इधर कोरोना संकट में नया शब्द प्रचलन में आया, इम्युनिटी। इसे आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा के संदर्भ में कैसे समझा जा सकता है? ये बात सही कही। पहले इम्युनिटी शब्द का प्रचलन नहीं था। हम सभी जानते हैं कि आयुर्वेद में हर औषधि आयुष देने वाली व निरोग को बढ़ाने वाले होती है। यह हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर आयुष देने वाली होती हैं। ये न केवल रोग को ठीक करती हैं बल्कि रोग के कारणों को पैदा करने वाली स्थिति को भी ठीक करती हैं। वहीं एलोपैथी में कोई दवा केवल रोग को दबाने के लिये काम करती है, लेकिन रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं बढ़ाती। अब लोगों को समझ में आया है कि आयुर्वेद सर्वमान्य रूप से इम्युनिटी को बढ़ाता है।

इम्युनिटी बढ़ाने का नुस्खा

तो आम आदमी की जीवनचर्या व खानपान कैसे हों जो वह सहजता से इम्युनिटी बढ़ा सकें? देखिये, प्रातः ऊषापान करें यानी पानी पीये। सर्दी में गरम या गुनगुना पानी लें। गर्मियों में मटके का पीने लें। कफ ज्यादा बनता है तो गर्मी में भी गुनगुना पानी लें। सही मायनों में पानी अमृत है। सेहत के लिये रामबाण दवा जैसे है। खाने में हम नाश्ता मध्यम करें, दोपहर में खाना पर्याप्त लें व रात को हल्का भोजन करें। दिन में सलाद व फल खायें लेकिन रात को न खायें। ये बेसिक जानकारी है। हमने बहुत सारे घरों में इस सिद्धांत को पहुंचाया है। महत्वपूर्ण यह भी है कि हर व्यक्ति प्रातःकाल प्राणायाम व योग करे, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बहुत कारगर है। इसे सहजता व आराम से कर सकते हैं। इसके अलावा हमारे पूर्वजों की विरासत तुलसी, अदरक जैसी चीजें हैं। कच्ची हल्दी रोगनाशक है, नहीं हो तो हल्दी पाउडर ले सकते हैं। आंवले का ताजा जूस ले सकते हैं। एलोविरा बेहद उपयोगी है।

अगर सनातनी एक नहीं हुए तो देश टूट जायेगा- जूदेव

प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने फिर करवाई 250 लोगों की घरवापसी

जशपुर। धर्म जागरण समन्वय विभाग एवं आर्य समाज के तत्वावधान में माता पुजारी सम्मेलन बूढ़ीमाई धाम, चिकनीपाली के इमलीपारा (बागबहार, जशपुर) में 36 परिवार के 250 धर्मांतरित सदस्यों की सनातन धर्म मे वापसी हुई। अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पूजा अर्चना एवं शुद्धिकरण हवन के पश्चात उनके पैर गंगाजल से धोकर ÷घरवापसी÷ कराई।कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय, सरपंच संघ, डॉ. बीएल भगत, कैलाश अग्रवाल, पंत राम भगत (वनवासी कल्याण आश्रम) सुरेंद्र बेसरा, आनंद शर्मा एवं अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम में विशेष रूप से आचार्य राकेश जी की उपस्थित रही, जो कि संत पदयात्रा के नेतृत्वकर्ता के रूप में हिंदुत्व की रक्षा के लिए शुरू हुई जशपुर से रायपुर पदयात्रा में निकले हैं प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने बताया कि जनजातियों के धर्मान्तरण के पीछे राष्ट्र को खंडित करने का षड्यंत्र है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे धर्मांतरण एवं बस्तर संभाग के नारायणपुर में आदिवासी समाज के ऊपर होते मिशनरी अत्याचार से जनजातीय संस्कृति को नष्ट करने की मिशनरी माफियाओं का गहरा षड्यंत्र है। हमारे लोगों की दिनदहाड़े हत्याएँ हो रही हैं।प्रशासनिक अधिकारियों के ध्यानाकर्षण के बावजूद सरकार की निष्क्रियता शक के दायरे में है।इसके विरोध में पूरे हिंदू समाज को संगठित होने की जरूरत पर जोर देते हुए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा अगर सनातनी एक नहीं हुए तो देश टूट जायेगा!

आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं से किए वादे पूरा करें सरकार : शालिनी राजपूत

भाजपा ने किया धरनारत आंगनबाड़ी कार्यकताओं के आंदोलन का समर्थन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कांकेर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धरने को अपना समर्थन देने पहुंची इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस ने 2018 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से उनकी सभी मांगों को पूरा करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद आज कांग्रेस के चार बरस बीत गए हैं लेकिन इन 4 वर्षों में आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं से किए वादे को प्रदेश सरकार ने पूरा नहीं किया। जिसके आक्रोश में पूरे प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं हड़ताल पर है। जिसके कारण प्रदेश में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिलने वाला पोषण आहार का वितरण भी बंद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं से वादा करके उन्हें पूरा नहीं किया है। जिसके कारण आज प्रदेश भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनें प्रदेश सरकार को उनसे किए वादों एवं अपनी मांगों को पूरा करने के लिए लगभग 1 महीने से आंदोलनरत है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस ने सत्ता की लालसा में प्रदेश के हर वर्ग को छला है। बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के नाम पर, एवं एक परिवार के लिए के मिस्टर एटीएम बन कर निभा रहे है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी

महिलाओं को पूर्ण शराबबंदी के नाम पर, बुजुर्गों एवं विधवा महिलाओं को पेंशन के नाम पर। प्रदेश की छलिया सरकार केवल एक परिवार को समर्पित है जिसके लिए प्रदेश के मुखिया कलेक्शन मास्टर बनकर छत्तीसगढ़ का पैसा अन्य राज्यों के चुनाव कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की मांग उचित है एवं उनके किए वादों को प्रदेश की कांग्रेस सरकार तत्काल पूरा करें। इस दौरान कांकेर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष उमा देवी शर्मा सहित महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

भूपेश को कांग्रेस अधिवेशन चाहिए, गरीबों का आवास नहीं- बृजमोहन

छत्तीसगड़ का 5 हजार करोड़ कांग्रेस पर न्यौछावर

रायपुर।बृजमोहन अग्रवाल ने आज मोर आवास-मोर अधिकार अभियान के तहत रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का घेराव अंतर्गत पंचायत मंत्री रविन्द्र चौबे के निवास के घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व मंत्री व विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस अधिवेशन चाहिए। छत्तीसगड़ के गरीबों का आवास नहीं चाहिए। भूपेश बघेल कांग्रेस के अधिवेशन पर राज्य की जनता का 5 हजार करोड़ न्यौछावर कर रहे हैं। छत्तीसगड़ के संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है। पूरी सरकारी मशनरी कांग्रेस अधिवेशन की सेवा में तैनात कर दी गई है। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के अधिवेशन में सोनिया गांधी आ रही हैं, राहुल, प्रियंका आ रहे हैं, कांग्रेस के गुमनाम अध्यक्ष आ रहे हैं, देश भर के कांग्रेसियों के पास कोई काम नहीं है, ऐसे तमाम नेता यहां की गरीब जनता का आवास छीनकर कराये जा रहे 5 हजार करोड़ के भंडारे का लुत्फ उठाने आ रहे हैं। भूपेश बघेल कांग्रेस अधिवेशन के प्रायोजक बने हैं और छत्तीसगड़ की जनता का धन इन मेहमानों की खातिरदारी पर उड़ा रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगड़ के गरीब अपनी छत से वंचित

हैं और यहां की जनता के पैसों से कांग्रेस के लोगों को लग्जरी होटलों में ठहराया जा रहा है। गरीब जनता सरकारी अस्पताल में इंजेक्शन को तरस रही है, कांग्रेसियों की सेवा में पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था हाजिर रहेगी। कानून व्यवस्था दम तोड़ रही है, कांग्रेस की सेवा में पूरा प्रशासन और सुरक्षा में पुलिस समर्पित है। घेराव आंदोलन में शामिल होने आए भाटापारा विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा भूपेश बघेल जी यह जान लें कि पूरे देश में केवल बंगाल और छत्तीसगढ़ में ही प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल रहे हैं । आपके साथी कांग्रेसी राज्य राजस्थान में तो प्रधानमंत्री आवास प्लस के मकान बनने प्रारंभ हो गए हैं । जनता आपका झूठ समझ चुकी है अब आप को गरीब का पैसा देकर उनका मकान बनवाना ही होगा। आंदोलन को पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव अग्रवाल व वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष तिवारी ने भी संबोधित किया।जिलाध्यक्ष जयंती पटेल ने आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने अधिकार के मिलते तक यह आंदोलन खत्म नही होगा। जरूरत पड़ी तो जनता अपने आवास के लिए भूपेश सरकार को आशियाना छीन लेगी। कार्यक्रम का संचालन मोर आवास मोर अधिकार रायपुर जिला प्रभारी अमरजीत छाबड़ा, सह प्रभारी खेम सेन, जितेंद्र गोलछा ने किया। इस दौरान मोतीलाल साहू, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम मीनल चौबे, राजीव अग्रवाल, सुभाष तिवारी, किशोर महानंद, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, रमेश ठाकुर, राजीव चक्रवर्ती, सचिन मेघानी, गोपी साहू, ललित जैसिंघ, मुरली शर्मा,गोविंदा गुप्ता, तुषार चोपड़ा, अर्पित सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हृदय स्थल पर भी सुरक्षित नहीं हैं ट्रैफिक सिग्नल

बार बार काट जाता हैं कोई ट्रैफिक जंक्शन के तार :मुख्य नगरपालिका अधिकारी

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

8 माह पूर्व

दमोह। शहर के घंटाघर पर हजारों कि संख्या में लोगों का आना जाना होता हैं जिससे कई बार लोगों को ट्रैफिक कि समस्या से जूझना पडता था इसी उद्देश्य को लेकर नगरपालिका द्वारा यातायात को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से सुगम और सरल बनाने के लिए घंटाघर पर 8 माह पूर्व सिग्नलों को लगाया गया था। चौराहे पर सिग्नल लगते ही शहर के लोग यातायात के नियमों का पालन भी करने लगे थे।एक पोल के सिग्नल कि डिस्प्ले बंद होने के बाद कुछ ही दिन में दूसरे सिग्नलों कि डिस्प्ले भी बंद हो गयी और अब यातायात को सुगम बनाने वाले यह सिग्नल पूर्णतः बंद हो चुके हैं जिसकी ओर ना तो नगरपालिका ध्यान

वर्तमान स्थिति

दे रही हैं और ना किसी प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा इसकी सुद ली जा रही हैं कि इन्हें चालू करा दिया जाये। आश्चर्य की बात तो यह है कि शहर के हृदय स्थल पर 24 घंटे पुलिस अफसरों की तैनाती रहती है उसके बाद भी किसी अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा वहां पर सिग्नलों के तार काट दिए जाते हैं ।इस सम्बन्ध में जब हमने स्थानीय लोगों से चर्चा कि तो उनका कहना हैं कि लाखों रूपए खर्च करके इन सिग्नलो को यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के उद्देश्य से लगाया गया था, लेकिन यह सिग्नल अब शोपीस बन कर डिब्बा हो गए हैं।

इनका कहना है

लगातार अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा ट्रैफिक जंक्शन के तार काट दिये जाते है इस कारण सिग्नल चालू नहीं रह पाते हैं और यह बार बार किया जा रहा हैं। सिग्नल का मेंटेनेंस करने वाले कर्मचारियों को इस सम्बन्ध में अवगत करा दिया गया हैं एक दो दिन में सिग्नलों को पुनः चालू करा दिया जाएगा।
भैयालाल सिंहमुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह

साइबर सेल टीम को मिली बड़ी सफलता

6 लाख से अधिक की राशि कराई खातों में होल्ड एवं वापिस

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। विगत माह में ठगी के आवेदनो पर पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह के निर्देशन में एवं साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में साइबर टीम द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रो से प्राप्त हो रही ठगी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये साइबर सेल शाखा को उक्त शिकायतों के संबंध में तत्परता से कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।साइबर सेल टीम द्वारा माह दिसंबर 2022 से माह फरवरी से अभी तक की स्थिति के प्राप्त आवेदकों की शिकायतों पर ठगी करने वालो के खातों पर तत्काल संबंधित बैंकों से संपर्क कर उक्त खाते को होल्ड कराते हुये शेष राशि की बचत कराई और जाकर आवेदकों के खातों में राशि वापिस कराई गई है जिनके नाम क्रमशः

1	नीतेश लोधी पटेरा, दमोह	1,00,000/-	1,00,000/-
2	अरविन्द असाटी दमोह	1,78,436/-	63435/-
3	निखिल गुप्ता दमोह	34999/-	30000/-
4	तन्मय पाठक दमोह	20000/-	15000/-
5	दीप्ति पटेल दमोह	29997/-	9011/-
6	रूपसिह लोधी दमोह	8000/-	8000/-

कुल राशि 2,25,446/- इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों के 3,74,554 रूपये की राशि बैक खातों में होल्ड करायी गई है जो उक्त राशि आवेदकों के खाते में वापिस कराये जाने की कार्यवाही की गई है। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले साइबर सेल निरीक्षक सहित समस्त स्टाफ जिसमें प्रधान आरक्षक राकेश अठ्या, प्रधान आरक्षक सौरभ टंडन, आरक्षक कुलदीप ठाकुर अहम भूमिका रही।

नाम जुड़वाने के लिये आवेदन दे सकते हैं- कलेक्टर

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। कलेक्टर एस कृष्ण चैतन्य ने कहा शासन के निर्देशानुसार जिले की चारों विधानसभाओं में विकास यात्रा का आयोजन लगातार किया जा रहा है। विकास यात्रा के माध्यम से शासन की योजनाओं के बारे में अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा यदि अभी भी कोई व्यक्ति छूटा हुआ है और वह पात्र है, वे अपने नाम जुड़वाने के लिये आवेदन दे सकते हैं। मांग संबंधी आवेदन के लिये भी जनपद या ग्राम पंचायत के माध्यम से आवेदन करने का नियम आता हैं तो आवेदन के लिए विकास यात्रा के द्वारा लोगों को अवगत कराया जा रहा है। कलेक्टर चैतन्य ने बताया 20 फरवरी तक जिले की विकास यात्राओं में 4,125 आवेदन आए हैं, जिसमें 70 प्रतिशत से ज्यादा आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है और लगातार जितने भी आवेदन आये हैं उनका निराकरण करने और समय से काम पूरा करने के प्रयास लगातार प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया अभी तक सभी विधानसभा में लोग उत्साहित होकर कार्यक्रम में लगातार सहभागिता निभा रहे हैं।

भाजपा की विकास यात्रा नहीं निकास यात्रा हैः रतनचंद जैन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। भारतीय जनता पार्टी की तथाकथित विकास यात्रा को बकवास यात्रा बताते जिला कांग्रेस कार्यालय में ग्रामीण शहर कांग्रेस द्वारा पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा भारतीय जनता पार्टी 195 महीने का हिसाब नहीं बताना चाहता और कमलनाथ के 15 महीने की सरकार का हिसाब माँग रही है जो हास्यप्रद है जिले के कार्यालयों की स्थिति ऐसी है कि अधिकारी कर्मचारी भी अपनी सीटों पर नहीं मिलते हैं,जनता चक्कर मार मार कर परेशान हो जाती हैं। जिला शहर अध्यक्ष मनु मिश्रा ने कहा कि पिछले अठारह सालों से दमोह का कायाकल्प ही नहीं हुआ।कीर्ति स्तंभ से जबलपुर नाका की मॉडल सडक इनके वादों की तरह हवा हो गई। मानक पटेल, सतीश जैन, रजनी ठाकुर, प्रदीप पटेल, वीरेन्द्र राजपूत, नितिन मिश्रा, पवन गुप्ता, केके अग्रवाल, आशीष पटेल, रफीक खान अनिल जैन, कैलाश राय,प्रफुल्ल श्रीवास्तव ने कहाँ कि भाजपा केवल झूठी घोषणायें पंचायतों, वार्डो,आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओ,शिक्षको एवं अन्य का उपयोग करके जनता को एकत्रित कर कही अश्लील नृत्य करवाकर भी? जुटाकर वाहवाही लूट रही है और कहीं कही तो जब विकास यात्रा पहुंचती जनता के बिजली पानी आवास के मुद्दो पर भाजपाई भाग खड़े होते है। कमलनाथ

सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनायें बंद कर दी गई। इस दौरान बडी संख्या में कांग्रेसियों सहित अनेक कांग्रेसजनों की उपस्थिति रहीं।

इनका कहना हैं

जिन्होंने देश में 60 साल राज किया है, ऐसे कांग्रेसी देश में कोई भी जनहितैषी योजना को बता दे। इस मध्यप्रदेश में लगभग 40 से 45 साल कांग्रेस ने राज किया। मध्यप्रदेश में कोई भी ऐसी जनहितैषी योजना को बता दे कांग्रेसी। उनकी सरकार में दिग्विजय जैसे नेताओं को बंटाधार क्यों कहते थे जनता को पता है। मध्यप्रदेश का विनाश करने वाले वो कांग्रेसी आज विकास पर क्या बोलेंगे।
प्रीतम सिंह लोधी
जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी दमोह

कांग्रेस पहले अपने गिरेबान में झांक कर देख ले जहां एक जिला अध्यक्ष पद के लिए दो व्यक्ति खुद को जिला अध्यक्ष लिखते हुए देखे जा रहे हैं कांग्रेस के बैनरो से स्थानीय विधायक की फोटो गायब रहती है जो व्यक्ति पार्टी जिलाध्यक्ष रहा वह शहर अध्यक्ष बनने के लिए प्रयासरत है पहले कांग्रेस अपनी गुटबाजी की ओर ध्यान दें फिर अन्य पार्टियों की ओर ध्यान देने की कोशिश करें।
पं सतीश तिवारी
जिला महामंत्री भाजपा दमोह

जिले में चल रहा अवैध उत्खनन प्रभारी मंत्री के आदेश को लगाया पलीता

शिवपुरी जिले में चल रहा अवैध खुलेआम उत्खनन कौन है ड़बिया खुटैला कुंडा खदान का माफिया जहाँ पर लीज है वहा पत्थर है ही नहीं सिर्फ जंगलों का सफाया करना इन माफियाओं को। प्रभारी मंत्री के आदेश को भी लगाया पलीता क्या प्रभारी मंत्री का जरा भी खौफ नहीं इन माफियाओं कोअवैध उत्खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा अभी कुछ दिन पहले माइनिंग के साथ और अन्य दलों ने मिलकर डोंगरी खदान पर अवैध उत्खनन पर जोरों से कार्रवाई की थी लेकिन मोरई मजेरा ड़बिया खुटैला कुंडा को अभयदान अवैध उत्खनन का संरक्षण दाता कौन है? आखिर किस की मिलीभगत से चल रहा है यह कारोबार इधर डोगरी खदान बंद होने के बाद बमारी से रॉयल्टी काटी जा रही है आखिर कब तक करेगा सोता हुआ विभाग इन पर सख्त से सख्त कार्रवाई

नगर परिषद रन्नौद में दर-दर भटक रहे हैं हितग्राही नगर परिषद में बैठे जनप्रतिनिधि व अधिकारी मोन

संवाददाता प्रदीप जैन रन्नौद

नगर परिषद् रन्नौद के अंतर्गत भाजपा सरकार ने गरीबों को आवास दिए है जिनकी पहली किस्त खातों में डाली गई है कुछ लोग शेष है इसी क्रम में अनेकों हितग्राहियों ने पहली किस्त का कार्य पूर्ण कर लिया है लेकीन नगर परिषद् रन्नौद के जिम्मेदार अधिकारियों एवम इंजीनियर आवास योजना के द्वारा हितग्राहियों के फोटो नही खींचे जा रहे हैं ऐसे अनेकों हितग्राही नगर परिषद् के चक्कर लगा रहे हैं ऐसा ही मामला वार्ड क्रमांक सात में बाल्मिक बस्ती एवम अन्य जगह भी आया इसको लेकर वार्ड वासियों ने वार्ड पार्षद को अवगत कराया और वार्ड पार्षद ने लिखित में सीएमओ एवम नगर परिषद् अध्यक्ष पति जमना कुशवाह एवम इंजीनियर के समक्ष लेटर दिया जिसमें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया आखिर सरकार की योजना को आमजन तक पहुंचने में अधिकारी क्यों रोड़ा अटका रहे हैं समझ से परे है इसी क्रम में आवास योजना के अंतर्गत पूर्व में सर्वे हुआ था उसमें अनेकों गरीबों को अपात्र कर दिया गया था लेकिन सरकार की योजना गरीबों तक पहुंचे इसे लेकर परिषद में मांग की गई की गरीबों का दुबारा सही सर्वे कराया जाए जिससे उन लोगों को भी लाभ मिल सके जो गरीब हैं लेकीन नगर परिषद् के अधिकारियों द्वारा जो अपात्रों के सर्वे की सूची बनवाई गई इसमें उन लोगों के नाम भी जोड़े गए हैं जो की पहले ही पात्र हैं और जिनके खातों में प्रथम किस्त डाली जा चुकी हैं एवम ऐसे नामो को भी इस लिस्ट में जोड़ा गया है जो पात्र थे पूर्व की सूची में उनका केबल जियो टैग अटैच मेंट होना था तो ऐसे क्या ज़रूरत आन पड़ी की जहा जिन अपात्र लोगों का सर्वे होना था वहा कूट रचित लिस्ट तैयार करके माननीय एसडीएम महोदय जी से आदेश क्यों कराया गया नगर परिषद को यह आवश्यकता क्यों पड़ी इसके पीछे क्या मंशा है जांच का विषय है इसी बीच वार्ड क्रमांक 7 से पार्षद पुत्र कौशलेश शर्मा ने सीएमओ को आवेदन दीया तो संतोष जनक कोई जवाब नही मिला पार्षद पुत्र समाज सेवी कोशलेश शर्मा ने आरोप लगाया और कहा है की अगर सरकार की योजनाएं गरीबों तक आमजन तक नही पहुंची किसी ने रोड़ा अटकाया तो सड़क पर उतर कर आमजन की लड़ाई लड़ी जाएगी

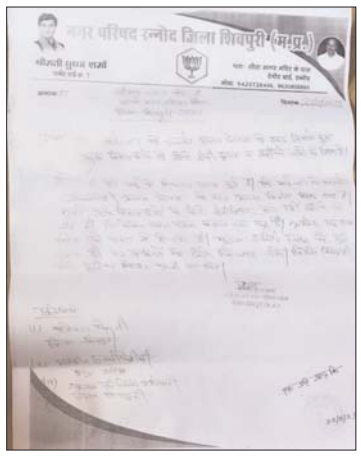

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी ने पिता की मारपीट करने वाले पुत्र को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

पुलिस थाना पिछोर क्षेत्र के ग्राम राजपुर कछउआ निवासी खलक सिंह बा?ई ने रिपोर्ट की उसके पुत्र अमर चंद्र बा?ई ने शराब के नशे में मारपीट कर चोंट पहुंचाई ।पुलिस थाना पिछोर ने तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्राम खुरई से उसके पुत्र अमरचंद बाढ़ई को धारा 151 जाब्ता फौजदारी में गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अमर चंद्र बाढ़ई अपने माता पिता से आये दिन शराब पीकर झगड़ा करता था इसके अलावा ग्राम वासियों को भी परेशान करता था। अमरचंद बाढ़ई के जेल जाने से ग्राम वासियों ने भी राहत की सांस ली है । पुलिस थाना पिछोर की टीम में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक संतोष यादव, आरक्षक बचान सिंह तोमर व आरक्षककमल सिंह मांझी शामिल रहे।

थाना पिछोर पुलिस की कार्यवाही करीबन दो लाख की 2000 लीटर अवैध लहान व हाथ भट्टी की कच्ची शराब जप्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट कायम किया

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

पिछोर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश कुमार चंदेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आज दिनांक 21/02/23 को इंचार्ज थाना प्रभारी पिछोर उप, नि, नितिन भार्गव की नेतृत्व में थाना पिछोर पुलिस ने ग्राम विजयपुर की जंगल में बने अवैध शराब बनाने की अड्डों पर छापा मारकर 2000 लीटर शराब बनाने का गुड का लहान व भट्ठी नष्ट की तथा 10 लीटर हाथ भट्ठी की कच्ची शराब जप्त की गई आरोपी सुखबीर यादव निवासी विजयपुर के विरुद्ध थाना पिछोर पर आबकारी एक्ट का अपराध कायम किया अवैध शराब बनाने वालों के विरोध यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी

उक्त कार्यवाही में–इंचार्ज थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नितिन भार्गव, सउनि, जहान सिंह ,सउनि , नरेंद्र सिंह यादव, प्रधान आरक्षक, हिमांशु चतुर्वेदी, संतोष यादव, हीरा सिंह, ब्रजराज, जितेंद्र गुर्जर, मांगीलाल गुर्जर, माधव शंकर शर्मा, की सराहनीय भूमिका रही

पुलिस थाना अमोला द्वारा अंधे कत्ल का खुलासा सिंध नदी मे मिले शव की पहचान कर हत्या के दो आरोपियों मे से एक को किया गिरफ्तार

भतीजे ने जमीन के लालच मे अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी हत्या

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

दिनांक 18.02.23 को थाना अमोला पुलिस को सूचना मिली कि शिवपुरी-झांसी हाइवे के पास सिंध नदी पर बने पुराने अमोला पुल के पास एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीब 40 साल का शव नदी के किनारे पड़ा है । सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी अमोला उनि. संतोष भार्गव द्वारा मय फोर्स के मौके पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति मृत अवस्था मे पड़ा हुया मिला जिसके सिर एवं चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिसे देखने से प्रतीत हो रहा था कि उसकी किसी अन्य स्थान पर हत्या कर पहचान छुपाने के लिये यहां लाकर फेंक दिया गया है । थाना प्रभारी अमोला द्वारा घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी व निर्देश प्राप्त कर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अप.क्र. 27/23 धारा 302, 201 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया ।अपराध की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश चंदेल द्वारा घटना स्थल का स्वयं निरीक्षण कर अपराध के अज्ञात आरोपियों की हाइवे के होटल, ढाबों एवं पेट्रोल पंप पर जाकर सीसीटीवी केमरे एवं पूछताछ करने तथा मुखबिरों के माध्यम से पतारसी करने के कडे निर्देश दिये । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश चंदेल के निर्देशन मे एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया, एसडीओपी कैरा श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमोला उनि. संतोष भार्गव द्वारा घटना को एक चेलेंज के रूप में लेते हुये पुलिस टीम के साथ मृतक की शिनाख्त व आरोपियों की पतारसी हेतु हाइवे पर बने ढाबो एवं पेट्रोल पंपो के सीसीटीव्ही फुटेज की जांच की गयी एवं पूछताछ की गई । पुलिस द्वारा घटना को खुलासा करने के लिये भरसक प्रयास किये गये एवं मुखबिरो को मामूर कर उनसे चर्चा कर जानकारी प्राप्त की गई तो मुखबिर सूचना मिली कि घटना दिनांक 17.02.23 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने करैरा हाइवे के पेट्रोल पंप पर कट्टी में पेट्रोल लेने गया था, जिसके बाद पुलिस द्वारा पेट्रोल पंप के पास जाकर उक्त व्यक्ति के संबंध में पतारसी कर उससे पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया कि ग्राम सिल्हारपुर निवासी धर्मवीर परिहार का दोस्त है जो चीनोर तरफ का रहने वाला है और वह हमेशा उसी के साथ रहता है, जिसके पास मारूती इको गाड़ी है ने उसे पैसे देकर पेट्रोल पंप से कट्टी में पेट्रोल लाने का बोला था । जिसके पश्चात पुलिस द्वारा तत्काल उक्त मारूती इको गाड़ी को सर्च कर उसके चालक मृतक के भतीजा उम्र 19 साल निवासी ग्राम ररूआ थाना चीनोर जिला ग्वालियर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, पहले तो वह पुलिस को गुमराह करता रहा, हिकमत अमली से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके बाबा तथा पिताजी का स्वर्गवास हो चुका है तथा आरोपी के चाचा महेश परिहार की शादी नही हुई थी इसलिये वह उसकी मां से संबंध बनाने के लिये परेशान करता था, जिसे आरोपी ने देख लिया और वह अपने चाचा मृतक महेश परिहार से रंजिश रखने लगा । तभी उसके मन में लालच आ गया कि चाचा महेश परिहार को खत्म कर दिया जाये तो उसके हिस्से की जमीन भी आरोपी को मिल जायेगी और वह उसकी मां को भी परेशान नही करेगा। आरोपी ने अपने दोस्त धर्मवीर परिहार निवासी सिल्हारपुर करैरा के साथ अपने चाचा की हत्या की साजिश रची । दिनांक 17.02.23 की रात में दोनों आरोपी तथा उसके दोस्त द्वारा मृतक महेश परिहार को अपनी मारूती इको गाड़ी में शराव पिलाने का लालच देकर करैरा लेकर आ रहे थे और भितरवार व करैरा के बीच रास्ते में गाड़ी को रोककर उसी गाड़ी के जैक एवं पाना से मृतक के सिर गंभीर चोटे पहुंचाकर हत्या करदी, मृतक को कोई पहचान न पाये इसलिये आरोपियों द्वारा मृतक की लाश को सिंध नदी के गहरे पानी में फेंकने की योजना बनाई, तभी नदी की मिटटी में उनकी गाडी फसने लगी तो पकड़े जाने के डर से शव को नदी के किनारे पुराने अमोला पुल के पास फेंक कर भाग गये थे । पुलिस द्वारा घटना का खुलासा करते हुये मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त इको गाड़ी एवं आलाजरर को जप्त किया गया एवं दूसरे आरोपी की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है ।उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अमोला संतोष भार्गव के अतिरिक्त सउनि विवेक भटट, सउनि हरीश सोलंकी, प्र.आर. 376 हरदयाल जोशी, प्र.आर. 604 भीकम जोशी, आर. 732 संजीव श्रीवास्व, आर. 837 संजीव कुमार, आर. 693 नीतेन्द्रसिंह, आर. 804 संदीप राठौर, आर. 965 सुनील धाकड, आर. 337 शिवम विश्वकर्मा एवं आर. 367 प्रमोद कुशवाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

सेल्समैन की मनमानी के चलते ग्रामीणों को दिया जा रहा आधा अधूरा राशन

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

खनियाधाना तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम कुम्हर्रा से है जहां पर सेल्समैन की मनमानी के चलते ग्रामीण लोगों को आधा अधूरा राशन दिया जाता है ग्राम के हितग्राही द्वारा बताया गया कि दिसंबर माह में शासन द्वारा पर व्यक्ति को 10 किलो राशन आया था पर सेल्समैन बहादुर सिंह बुंदेला द्वारा पर व्यक्ति सिर्फ 5 किलो ही राशन दिया जब लोगों ने 10 किलो राशन देने की बात कही तो सेल्समैन द्वारा कहा गया कि मेरे पास सिर्फ 5 किलो के हिसाब से ही राशन आया है जिस पर ग्रामीण लोगों ने सेल्समैन पर लगाए आधा अधूरा राशन देने के आरोप लगाया है सेल्समैन की मनमानी गरीब ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए परेशानी की जड़ बनती जा रही है ग्रामीण उपभोक्ता द्वारा आरोप लगाया गया है कि सेल्समैन कभी भी समय पर खाद्यान्न नहीं देता है बल्कि आधा अधूरा देकर भगा देता है शासकीय उचित मूल्य की दुकान कोड नंबर 508068 सेक्सी में लिखी धदल बाजी चल रही है लेकिन कोई भी उच्च अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं

शिवपुरी पुलिस की कार्यवाही, पुलिस थाना अमोला के अपराध क्र. 27/2023 धारा 302, 201 भादवि के अंधे कत्ल के शेष आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जगदीश पाल रिपोटर खानिया धाना

पुलिस थाना अमोला के अप. क्रं. 27/2023 धारा 302, 201 भादवि के फरार आरोपी की गिरफ्तारी करने हेतु वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन मे एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी करैरा श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन मे अपराध मे मुख्य आरोपी के दोस्त की लगातार तलाश की जा रही थी तभी दिनांक 22.02.2023 को मुखबिर की सूचना पर से अंधे कत्ल के फरार आरोपी निवासी सिल्हारपुर का करैरा की तरफ अपने किसी दोस्त से मिलने आने की सूचना मिली । मुखबिर की सूचना पर से थाना प्रभारी अमोला उनि. संतोष भार्गव मय हमराह बल के मुखबिर के बताये स्थान से उक्त फरार आरोपी को हमराह फोर्स की मदद से गिरफ्तार किया । पुलिस द्वारा उक्त आरोपी से पूछताछ की तो पहले आरोपी द्वारा पुलिस को गुमराह किया वाद मे पुलिस द्वारा हिकमत अमली के पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा घटना के मुख्य आरोपी के साथ इंको गाड़ी मे घटना का कारित करने की बात स्वीकार की ।उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अमोला उनि. संतोष भार्गव के अतिरिक्त सउनि विवेक भटट, प्र.आर. राकेश शेंगर प्र.आर. 604 भीकम जोशी, आर. प्रमोद कुशवाह, आर. 732 संजीव श्रीवास्व, आर. दामोदर भार्गव, आर. 693 नीतेन्द्रसिंह, आर. चा. 837 संजीव कुमार, आर. की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

ग्राम डबिया में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा प्रधान ने दी कानून की जानकारी

शिवपुरी, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता के निर्देशन में तथा जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अर्चना सिंह के मार्गदर्शन में आज बुधवार को ग्राम डबिया में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नेहा प्रधान ने की। इस अवसर पर नेहा प्रधान ने सामाजिक न्याय दिवस पर प्रकाश डालते हुए सभी को न्याय पाने के अधिकारों के बारे में बताया एवं मध्य प्रदेश अपराध पी?त प्रतिकार योजना 2015 पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अपराध से पी?त व्यक्ति प्रतिकार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन दे सकता है। जिसमें निमित्र क्षति जेसे जीवन की हानि/ हत्या, भ्रूण की हानि या क्षति, शरीर में 100 प्रतिशत स्थाई निशक्तता होने पर, शरीर में स्थाई निशक्तता 40 प्रतिशत से अधिक होने पर महिला की प्रजनन क्षमता की स्थाई क्षति होने पर बलात्कार को छे?कर अन्य अपराधिक घटना में, शरीर में के महत्वपूर्ण भाग पर गंभीर चोट अथवा शल्यक्रिया, सामूहिक बलात्कार, आवयशक बच्चों के साथ लैंगिक अपराध, एसिड अटैक से कुरूपता 40 प्रतिशत से अधिक होने पर एसिड अटैक से कुरूपता 40 प्रतिशत से कम होने पर प्रतिकर प्राप्त कर सकते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ.वीरेंद्र कुमार च?ार ने उपस्थित लोगों को निशुल्क विधिक सहायता मध्यस्थता योजना नेशनल लोक अदालत महिला एवं बाल सुरक्षा

गरीबों को मिले आवास डाली गई पहली किस्त

शिवपुरी नगर परिषद् रन्नौद के अंतर्गत भाजपा सरकार ने गरीबों को आवास दिए है जिनकी पहली किस्त खातों में डाली गई है कुछ लोग शेष है इसी क्रम में अनेकों हितग्राहियों ने पहली किस्त का कार्य पूर्ण कर लिया है लेकीन नगर परिषद् रन्नौद के जिम्मे वीसीदार अधिकारियों एवम इंजीनियर आवास योजना के द्वारा हितग्राहियों के फोटो नही खींचे जा रहे हैं ऐसे अनेकों हितग्राही नगर परिषद् के चक्कर लगा रहे हैं ऐसा ही मामला वार्ड क्रमांक सात में बाल्मिक बस्ती एवम अन्य जगह भी आया इसको लेकर वार्ड वासियों ने वार्ड पार्षद को अवगत कराया और वार्ड पार्षद ने लिखित में सीएमओ एवम नगर परिषद् अध्यक्ष पति जमना कुशवाह एवम इंजीनियर के समक्ष लेटर दिया जिसमें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया आखिर सरकार की योजना को आमजन तक पहुंचने में अधिकारी क्यों रोड़ा अटका रहे हैं समझ से परे है इसी क्रम में आवास योजना के अंतर्गत पूर्व में सर्वे हुआ था उसमें अनेकों गरीबों को अपात्र कर दिया गया था लेकिन सरकार की योजना गरीबों तक पहुंचे इसे लेकर परिषद में मांग की गई की गरीबों का दुबारा सही सर्वे कराया जाए जिससे उन लोगों को भी लाभ मिल सके जो गरीब हैं लेकीन नगर परिषद् के अधिकारियों द्वारा जो अपात्रों के सर्वे की सूची बनवाई गई इसमें उन लोगों के नाम भी जोड़े गए हैं जो की पहले ही पात्र हैं और जिनके खातों में प्रथम किस्त डाली जा चुकी हैं एवम ऐसे नामो को भी इस लिस्ट में जोड़ा गया है जो पात्र थे पूर्व की सूची में उनका केबल जियो टैग अटैच मेंट होना था तो ऐसे क्या ज़रूरत आन पड़ी की जहा जिन अपात्र लोगों का सर्वे होना था वहा कूट रचित लिस्ट तैयार करके माननीय एसडीएम महोदय जी से आदेश क्यों कराया गया नगर परिषद को यह आवश्यकता क्यों पड़ी इसके पीछे क्या मंशा है जांच का विषय है

ग्वालियर विधानसभा: विकास यात्रा के दौरान 53 लाख से अधिक के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

ग्वालियर 7 ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने वार्ड 36 में सूबे की पाएगा जीवाजी गंज से विकास यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा के दौरान प्रयाग तोमर, पार्षद सुश्री भावना कनौजिया, गुरमुख करोसिया, सत्येंद्र शर्मा, बिरजू शिवहरे, शब्बीर खान, मुबीन खान सहित जिला प्रशासन निगम प्रशासन एवं विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित विकास यात्रा में उपस्थित रहे।विकास यात्रा में ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी के हितों का ध्यान रखती है। पहले लाडली लक्ष्मी योजना से बेटियों के भाग्य को संवारा अब माता बहनों के लिए लाडली बहना योजना लेकर आई है। जिसके तहत सभी महिलाओं को ?1000 प्रति महीना मिलेगा। जिससे वह अपना घर आसानी से चला सकेंगे। इसके साथ ही वृद्ध वह कल्याणी महिलाओं को भी ?1000 प्रति महीना पेंशन मिलेगी।ऊर्जा मंत्री ने वार्ड 36 स्थित जीवाजी गंज, पीजी कॉलेज की गलियां, सिकरवारी मोहल्ला, न्यू शांति नगर, कबीर आश्रम, रामकुई, जलाल खान की गोठ, बजरिया चैराहा, बाल्मीकि मंदिर सहित जगहों पर विद्युत व नगर निगम के 53 लाख से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। यात्रा के दौरान अनेक स्थानों पर गंदगी एवं नियमित गाडी न आने की शिकायत मिली जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों को निरंतर सफाई व्यवस्था ठीक करने एवं प्रतिदिन

कचरा संग्रहण वाहन भेजने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विद्यालय का निरीक्षण किया जहां बच्चों से बात की और पढाई के लिए प्रेरित किया।ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर द्वारा वार्ड 36 में निकाली जा रही विकास यात्रा मुल्लाजी की सराय में पहुंची वहां श्रीमती साइमा खान ने बताया कि वह दिव्यांग है लेकिन उनको दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है। इसके साथ ही सूबे की पाएगा निवासी श्रीमती रशीदा बानो ने बताया कि वह वृद्ध है लेकिन उनको वृद्धा पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। जिस पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और दोनों लोगों की पेंशन आधे घंटे में स्वीकृत कर स्वीकृति पत्र प्रदान किये।

मिलेनियम पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा फाइलेरिया दवा का सामूहिक सेवन कराया गया

सत्येंद्र कुमार प्रजापति की पुष्पांजलि टुडे की खबर

देवेंद्रनगर- पन्ना जिले में देवेंद्र नगर अंतर्गत मिलेनियम पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचकर फाइलेरिया की दवा विद्यालय के स्टाफ सहित समस्त छात्र छात्राओं को भी खिलाई गई एवं जागरूकता प्रदान की गई इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम का संकल्प है कि फाइलेरिया को देश से हटाना है इस उद्देश से लेकर फाइलेरिया की दवा सामूहिक सेवन करने का कार्यक्रम रखा गया है जो 10 फरवरी से लेकर 22 फरवरी तक पूरे जिले में चलाया जा रहा है जिसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम का भरपूर सहयोग हो रहा है7

ईओडब्ल्यू कार्रवाई: रिश्वत लेते पकड़ी गई सब इंजीनियर 24 माह में 4.80 लाख लेती

ग्वालियर। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ग्वालियर ने आज नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग की सब इंजीनियर वर्षा तिवारी को 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये पकड़ा है। यह रिश्वत वर्षा तिवारी नगर निगम मुख्यालय के बाहर ही पार्क का ठेका लेने वाले अतुल सिंह यादव से पहला बिल रूपये 6.70 लाख का पास करने के एवज में ले रही थी। पांच हजार रूपये शिकायतकर्ता यादव उसे कल ही दे चुके थे।जानकारी के मुताबिक नगर निगम के पांच पार्कों के रखरखाव का ठेका सुरेश सिंह यादव और अतुल सिंह यादव ने दो वर्ष के लिये 1 करोड़ 67 लाख रूपये में लिया हैं। जिसका प्रतिमाह रखरखाव बिल ठेकेदार को भुगतान होना था। इस माह भुगतान के लिये आया बिल 6 लाख 70 हजार रूपये का था। जिसके भुगतान के लिये वर्षा तिवारी 10 प्रतिशत राशि की मांग

थी, जिसे देने में ठेकेदार ने असमर्थता व्यक्त की जिस पर इंजीनियर वर्षा ने यह राशि घटाकर 8 प्रतिशत उसके बाद उनका काम देखकर 3 प्रतिशत कर दी थी। ईओडब्ल्यू एसपी बिटटू सहगल ने बताया कि पार्क ठेकेदार यादव कल 5 हजार रूपये दे चुका था, आज जैसे ही उसने नगर निगम मुख्यालया के बाहर 15 हजार दिये तो पहले से ही तैयार बैठी ईओडब्ल्यू की टीम ने वर्षा तिवारी को रंगे हाथों दबोच लिया। ईओडब्ल्यू की टीम ने निरीक्षक नीतू गुर्जर, उप निरीक्षक भीष्म तिवारी, योगेन्द्र दुबे, नम्रता भदौरिया शामिल थे। एसपी सहगल ने बताया कि सब इंजीनियर ने प्रतिमाह बिल पास करने के एवज में 20 हजार की राशि तय की थी, जो 24 माह में 4 लाख 80 हजार होती। यह बीस हजार पहले माह के बिल के एवज में ले रही थी। सहगल ने बताया कि निगम सब इंजीनियर के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है।

अज्ञात ट्रक कि टक्कर से डीपी गिरी सडक पर, क्षेत्र में छाया अंधेरा

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के स्टेशन चौराहा पर देर रात अज्ञात ट्रक ने बिजली के खम्बे पर रखी डीपी को टक्कर मार दी जिससे डीपी सडक पर गिर गयी और पूरी रोड पर ऑयल ?ैल गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार दी कि डीपी रोड पर जा गिरी एवं कोई जनहानि नहीं हुई। लोगों द्वारा बताया गया है कि क्षेत्र कि लाइट गोल है और अभी तक विभाग कि ओर से कोई देखने नहीं आया है।

ग्वालियर पूर्व: एक करोड़ 13 लाख लागत के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

ग्वालियर । विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में छठवे दिन वार्ड-23 में नदीपार टाल तृप्ति नगर तिराहे से बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल के नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इसके बाद नदीपार टाल-राठौर संतर श्रीनगर कॉलोनी, कबीर कॉलोनी से गौतम नगर, 60 फुटा रोड, द्वारिकाधीश कॉलोनी व जगजीवन नगर होते हुए संजय नगर अरब साहब की दरगाह पहुंची। इसके बाद सायंकाल सुरेश नगर मल्टी पर जनसभा एवं चौपाल आयोजन के साथ छठवे दिन की विकास यात्रा का समापन हुआ। विकास यात्रा के दौरान तृप्ति नगर नदी पार टाल में 24 लाख रूपए की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य का बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल ने भूमिपूजन किया । छठवे दिन इस यात्रा के दौरान वार्ड के अंतर्गत 68 लाख की लागत की 3 स?कों का लोकार्पण, 4 लाख

की लागत का नलकूप खनन का लोकार्पण तथा 42 लाख की लागत के अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया । विकास यात्रा में प्रमुख रूप से म.प्र.बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य जयप्रकाश राजौरिया, रामेश्वर भदौरिया, अशोक जादौन, मण्डल अध्यक्ष उमेश भदौरिया, बंटी त्यागी, सत्तन कुशवाह, पूर्व पार्षद शिवराम जाटव, पोहप सिंह जाटव, अर्जुन जाटव, शिवपाल गुर्जर, राजू गुर्जर, राकेश रजक, नरेन्द्र मौर्य, नरेन्द्र खटीक, हरी भगवान रघुवंशी, शिवा त्यागी, श्रीमती पुष्पा तोमर, श्रीमती गीता मेवाफरोश, सीमा माहौर, सरोज पवैया, विनोद जाटव सहित भाजपा के सैंक?ों ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं सहित जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारीगण भी विकास यात्रा में शामिल थे ।

जनसेवा ही मेरा उद्धेश्य है: ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर 7 प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विकास यात्रा के छटवे दिन कहा कि जनसेवा ही मेरा उद्धेश्य रहा है। विकास यात्रा के दौरान भी जनसेवा का ही कार्य किया जा रहा है। यह विकास यात्रा मेरे लिए जीवन दर्शन के समान है। मंत्री तोमर ने विकास यात्रा के दौरान लगभग दो करोड 72 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। उपनगर ग्वालियर के वार्ड 3 में निकली विकास यात्रा का शुभारंभ विनय नगर सेक्टर-4 कोटेश्वर तिराहे से हुआ। मंत्री तोमर ने कहा विकास यात्रा के दौरान विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन-लोकार्पण के साथ-साथ लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित देवी स्वरूप कन्याओं को प्रमाण पत्र एवं शासन की अन्य योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सम्मान के साथ हितलाभ दिए जा रहे है।ऊर्जा मंत्री तोमर ने विनय नगर सेक्टर-3 में विद्युत जोन पर 25 लाख की लागत से बनाये गए विद्युत उपभोक्ता सेवा केन्द्र का लोकार्पण किया तथा 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से बनने जा रहे कंट्रोल रूम हेतु नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि विनय नगर जोन को स्मार्ट जोन बनाया जा रहा है इसके लिए उपभोक्ता सेवा केन्द्र तो बन गया जहां उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण 24 घंटे किया जाएगा। बिल, मीटर खराबी या लाइन की बजह से विद्युत में कोई समस्या आती है तो उसका निराकरण जल्द से जल्द किया जा सकेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनमोहन पाठक, बृजमोहन शर्मा, पार्षद श्रीमती मंजू दिग्विजय राजपूत, ध्रुव गोतम, व्हीबल सेंगर, नत्थू सिंह कुशवाह, गिर्राज व्यास, बिरजू शिवहरे, इन्द्रमोहन सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक विकास यात्रा के सहभागी बने।

ग्वालियर पूर्व : विकास यात्रा में 68 लाख की सडक व सी.सी.रोड का लोर्कापण

ग्वालियर 7 विकास यात्रा का आज 16 वां दिन है। 22 फरवरी कोयात्रा ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के थाटीपुर गांव गांधी भवन से प्रारंभ होकर महाराष्ट्र बैंक, केनरा बैंक चौराहा, पटेल नगर साईट नं. 1, एथीना बिल्डिंग कैलाश बिहार, सेंट्रल पार्क होटल, जनचैपाल सभा एवं समापन स्व. घुमसिंह पटेल की प्रतिमा पटेल नगर पर हुआ। इस विकास यात्रा के दौरान 60 लाख की लागत की 2 स?कों का लोकार्पण तथा 36 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन, 2 नलकूप खनन का लोकार्पण किया गया । विकास यात्रा में अलग-अलग स्थानों पर लगभग 65 हितग्राहियों को प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरण किया गया । वार्ड - 30 की विकास यात्रा जिस- जिस क्षेत्र से गुजरी वहाँ के व्यापारियों एवं निवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया ।

इस विकास यात्रा के एथीना टॉवर पहुंचने पर एथीना टावर से सिटीसेंटर मेन रोड तक 8 लाख की लागत के नाला निर्माण का भूमिपूजन बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल द्वारा किया गया । इस मौके पर

म.प्र बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, मध्यप्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जयप्रकाश राजौरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुमन शर्मा, रामेश्वर भदौरिया, पीताम्बर सिंह, मधुसूदन भदौरिया, मण्डल अध्यक्ष उमेश भदौरिया, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रतीक तिवारी, पार्षद रेखा अनिल त्रिपाठी, पूर्व पार्षद जितेन्द्र यादव, सोमेश महंत, मोनू कंसाना, जसवंत कमरिया, विजय सक्सेना, नीतेश थापक, धर्मेन्द्र शर्मा, अनिल सिसोदिया, आनंद गुप्ता, सचिन पचैरी, राजकुमार गुप्ता, अखिलेश त्रिपाठी, पूर्व पार्षद पोहप सिंह, दीप श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र सिंह यादव, ओ.पी अरोरा, शिखर समाधिया, ब्रजेश त्रिपाठी, सिद्धार्थ त्रिपाठी, ध्रुव त्रिपाठी, अनिल चैहान, कुशाग्र शर्मा, प्रेम कुमार शर्मा, संतोष राजोरिया, सतेन्द्र पचैरी, संदीप दण्डोतिया, आबिद खान, दीपक मूंद?ा, कुसुम राणा, धीर सिंह यादव, विनोद सूरी, सहित भाजपा के सैंक?ों ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं सहित जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारीगण भी विकास यात्रा में शामिल थे ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478